RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381

संपादकः- डॉ. देवेन्द्र मालवीय

11 वर्ष

दैनिक सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

www.sadbhawnapaati.com Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर, मंगलवार ●28 मई , 2024 वर्षः-12 अंक - 30 मूल्य -1 रु. कुल पृष्ठ - 8

संक्षिप्त समाचार

पटवारी की पिटीशन पर इमरती को नोटिस

● रस खत्म हो गया, बयान पर कराई थी एफआईआर; हाईकोर्ट ने पूछा-आरोप का आधार क्या?

जबलपुर (एजेंसी)। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने पूर्व मंत्री व बीजेपी नेता इमरती देवी और मध्यप्रदेश शासन को नोटिस जारी किए हैं। ये नोटिस सोमवार को कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी की पिटीशन पर सुनवाई के बाद दिए गए। जस्टिस संजय द्विवेदी की कोर्ट ने इमरती देवी और

मध्यप्रदेश शासन से पूछा है कि पटवारी पर आरोप लगाने का आधार क्या है? दरअसल, इमरती का रस खत्म हो गया... बयान पर पीसीसी चीफ जीतू पटवारी के खिलाफ पूर्व मंत्री इमरती देवी ने ग्वालियर के डबरा थाने में धारा 509 (महिला के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग कर उसके सम्मान को ठेस पहुंचाने की कोशिश) और अनुसूचित जाति/जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम की धारा 3 (1) (आर) के तहत एफआईआर कराई थी।

इसी एफआईआर को रद्द कराने के लिए पटवारी ने हाईकोर्ट में पिटीशन लगाई है। हाईकोर्ट ने पटवारी को यह राहत भी दी है कि यदि उनके खिलाफ एफआईआर या गिरफ्तारी जैसी कोई बात आती है तो वे तत्काल कोर्ट की शरण में आ सकते हैं। अगली सुनवाई 2 जुलाई को होगी।

प्राइवेट स्कूलों को लौटाने पड़े फीस के 81.30 करोड़ रुपए

● जबलपुर में 11 निजी स्कूलों पर 22 लाख की पेनाल्टी; 51 पर एफआईआर

भोपाल (एजेंसी)। जबलपुर में कोर्स की किताबें, यूनिफॉर्म और अन्य शिक्षण सामग्री के नाम पर अभिभावकों से मनमानी राशि वसूलने वाले निजी स्कूलों के खिलाफ प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। ऐसे स्कूलों से अभिभावकों को 81.30 करोड़ रुपए की फीस वापस कराई गई है। साथ ही इन स्कूलों पर 22 लाख रुपए की पेनाल्टी भी लगाई है।

प्रशासन ने 51 लोगों के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज की है। जिनमें स्कूलों के चेयरमैन, प्राचार्य, सीईओ, मैनेजर, सदस्य, एडवाइजर समेत 20 लोग गिरफ्तार किए गए हैं।

अप्रैल 2018 से अप्रैल 2024 तक वसूली फीस की कराई जांच– दरअसल, नया शिक्षा सत्र शुरू होने के बाद 1 अप्रैल 2024 को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने निजी स्कूलों की मनमानी रोकने के लिए निर्देश दिए थे। इस पर जबलपुर कलेक्टर दीपक सक्सेना ने अप्रैल 2018 से अप्रैल 2024 तक अभिभावकों से वसूली गई फीस की जांच कराई थी। जिसमें बस्तों के वजन गाइडलाइन के मुताबिक नहीं पाए गए।

पाकिस्तान बॉर्डर पर

BSF जवान की लू से मौत

● 6 राज्यों में हीटवेव का रेड, 3 में यलो अलर्ट

● फलोदी देश का सबसे गर्म शहर, तापमान 51 डिग्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोमवार को नौतपा का तीसरा दिन था। बीते 3 दिन में राजस्थान के फलोदी में तापमान सबसे ज्यादा दर्ज किया गया। नौतपा के पहले दिन यहां तापमान 50 डिग्री, जबकि दूसरे दिन 51 डिग्री रहा। जम्मू में भी तापमान 42 डिग्री और हिमाचल के ऊना में 44.4 डिग्री तक पहुंच गया।

सोमवार को जैसलमेर में भारत-पाक सीमा पर तैनात बीएसएफ जवान की लू लगने से मौत हो गई। अजमेर के केकड़ी में भी 80 साल के बुजुर्ग ने दम तोड़ दिया। राजस्थान में 4 दिन में गर्मी से मरने वालों की संख्या 27 हो चुकी है। बिहार में भी नागालैंड के जवान की हीट स्ट्रोक से मौत हुई है। रविवार को पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में 37 जगहों का तापमान 45 डिग्री या उससे ज्यादा दर्ज किया गया। एक दिन पहले यानी शनिवार को देश में सिर्फ 17 जगहों का तापमान 45 डिग्री या उससे ज्यादा था।

मौसम विभाग ने अगले दो दिन के लिए राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, उत्तर प्रदेश में भीषण हीटवेव का रेड अलर्ट जारी किया है। जबकि मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात में अलग-अलग इलाकों में हीटवेव का यलो अलर्ट जारी किया है।

गर्मी को लेकर एडवाइजरी जारी– असम डीजीपी ने लोगों से अपील की- अपने घर के पास तैनात पुलिसवालों को पानी ऑफर करें। जरूरत पड़ने पर उनकी बोतलों को रीफिल करने में मदद करें।

सिग्नल पर राहत– एमपी ट्रैफिक पुलिस ने इंदौर के चौराहों पर रेड लाइट का ड्यूरेशन कम कर दिया, ताकि लोगों को धूप में कम रुकना पड़े। आगरा, भोपाल, जोधपुर, लखनऊ समेत कई शहरों में चौराहे पर टेंट लगाए गए हैं, ताकि सिग्नल के इंतजार में उन्हें राहत मिल सके।

पानी की सप्लाई में कटौती– मुंबई नगरपालिका (बीएमसी) ने शनिवार को कहा- 30 मई से पानी की सप्लाई में 5 प्रतिशत और 5 जून से 10 प्रतिशत कटौती की जाएगी। ऐसा इसलिए क्योंकि शहर को पानी सप्लाई करने वाले जलाशयों में सिर्फ 10 फीसदी पानी का स्टॉक मौजूद है।

राजस्थान– 23 जिलों में 2 दिन लू का रेड-अलर्ट, तीन दिन में 22 की मौत– राजस्थान के फलोदी में पारा 50 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। मौसम के इस मिजाज से फिलहाल दो दिन तक राहत मिलने की कोई उम्मीद नहीं है। भीषण गर्मी से पिछले तीन दिन में 22 लोग जान गंवा चुके हैं। राज्य के 23 जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है।

मध्य प्रदेश - 6 जिलों में टेम्प्रेचर 46 डिग्री के पार, धार-राजगढ़ में लू का रेड अलर्ट

नौतपा में मध्यप्रदेश में भीषण गर्मी पड़ रही है। रविवार को पूरा प्रदेश जमकर तपा। राजगढ़, शाजापुर, निवाड़ी, सागर, गुना, खजुराहो और सीहोर जिले सबसे गर्म रहे, जहां पारा 46 डिग्री के पार रहा। भोपाल–सागर में तो 10 साल में दूसरी बार टेम्प्रेचर सबसे अधिक रहा।

उत्तर प्रदेश– 27 जिलों में हीटवेव का रेड अलर्ट; 7 शहरों में 44 डिग्री पार– आईएमडी के मुताबिक उरई देश का 5वां सबसे गर्म शहर दर्ज किया गया। राज्य में अब रातें भी गर्म होने लगी हैं। 48 जिलों में रातें सबसे अधिक गर्म होने का अलर्ट मौसम विभाग ने जारी किया है।

दुनिया के विश्लेषकों का भी दावा

पीएम मोदी शानदार प्रदर्शन के साथ जीतेंगे चुनाव, भारत की सर्वोच्चता रखेंगे बरकरार

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत भर में मतदाताओं ने चल रहे भारतीय संसदीय चुनावों के छठे चरण में अपना मतदान किया। इस बीच लगभग 90 प्रतिशत निर्वाचन क्षेत्रों में वोट भारतीय लोगों द्वारा डाले जा चुके हैं, जबकि चुनाव का 7वां चरण 1 जून 2024 को होगा, जहां लगभग 10 प्रतिशत निर्वाचन क्षेत्रों में वोट डाले जाएंगे। इन चुनावों में सीटों की कुल संख्या 543 निर्वाचन क्षेत्र हैं। भारतीय चुनावों के आधिकारिक नतीजे 4 जून 2024 को प्रकाशित किए जाएंगे, लेकिन देश-विदेश के समाचार विश्लेषकों और राजनीतिक विद्वानों ने दावा किया है कि भारतीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी शानदार प्रदर्शन के साथ चुनाव जीतेंगे और इस तरह भारत की क्षेत्रीय सर्वोच्चता बरकरार रहेगी।

दुनिया भर के विश्लेषकों व अधिकांश मीडिया आउटलेट्स ने दावा किया है कि नरेंद्र मोदी एक और जीत की ओर बढ़ रहे हैं। मतदाताओं ने पहले ही अपना जनादेश दे दिया है। अभी केवल आधिकारिक नतीजे और घोषणा सामने आना बाकी है।

नरेंद्र मोदी सादा और संयमित जीवन जीने की अपनी विशेषताओं के लिए जाने जाते हैं। उसका कोई परिवार नहीं है, कोई संतान नहीं है। उनके खिलाफ भ्रष्टाचार का कोई आरोप नहीं है। नरेंद्र मोदी की प्रोफ़ाइल के ये उज्ज्वल पहलू नरेंद्र मोदी की राजनीतिक छवि को उजागर करते हैं और उन्हें आने वाले दिनों में भारत का नेतृत्व करने और भारत को एक प्रमुख क्षेत्रीय शक्ति के रूप में स्थापित करने के लिए मतदाताओं के सामने एक अधिक स्वीकार्य व्यक्ति के रूप में प्रस्तुत करते हैं।

प्रियंका गांधी बोलीं-

आपदा में मोदी एक बार भी हिमाचल नहीं आए

भाजपा ने अग्निवीर योजना बनाई, ताकि डिफेंस में खरबपतियों का हाथ हो

शिमला (एजेंसी)। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने सोमवार को हिमाचल प्रदेश में 2 जनसभाएं की। पहली जनसभा चंबा में और दूसरी शाहपुर में की। इस दौरान उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मोदी कहते हैं कि हिमाचल मेरा दूसरा घर है, लेकिन वह यहां आपदा में एक बार भी नहीं आए। मोदी ने धनबल से हिमाचल सरकार को गिराने की कोशिश की।

उन्होंने कहा कि जो प्रधानमंत्री इस तरह की साजिश करे। ऐसी भ्रष्ट साजिश करने वालों के मन में हिमाचल के प्रति आदर नहीं हो सकता।

पापुआ न्यू गिनी में मलबे में दबे 2 हजार लोग

मेलबोर्न (एजेंसी)। पापुआ न्यू गिनी के काओकलाम गांव में हुई लैंडस्लाइड में 2 हजार से ज्यादा लोग दबे हुए हैं। मीडिया सूत्रों के मुताबिक, पापुआ न्यू गिनी की सरकार ने खुद संयुक्त राष्ट्र (यूएन) को इसकी जानकारी दी है।

ऑस्ट्रेलियाई मीडिया एबीसी के मुताबिक, लैंडस्लाइड 24 मई को पापुआ न्यू गिनी की राजधानी पोर्ट मोरेस्बी से लगभग 600 किलोमीटर दूर एंगा प्रांत के गांव में स्थानीय समयानुसार सुबह करीब तीन बजे हुआ। वहां अभी भी पिछले 4 दिन से लगातार लैंडस्लाइड हो रहा है।

पचमढ़ी की धरती पर पैदा होंगे हिमाचल के सेब

जिले में पहली बार सेब की बागवानी, 500 पौधे लगाए

नर्मदापुरम (एजेंसी)। कश्मीर, हिमाचल प्रदेश के ठंडे क्षेत्रों की पैदावार सेब यानी एप्पल अब सतपुड़ा की रानी पचमढ़ी में भी पैदा होंगे। यहां 3 साल बाद पचमढ़ी में ही स्थानीय लोगों और पर्यटकों को पचमढ़ी में ही पेड़ से टूटे ताजे सेब खाने को मिलेंगे। नर्मदापुरम जिले के पचमढ़ी में पहली बार सेब के पौधे लगाए गए हैं।

उद्यानिकी विभाग द्वारा पचमढ़ी के पोलो उद्यान में सेब की पैदावार का ट्रायल किया है, जो संभवत सफल हो रहा। विभाग ने उद्यान के 2 एकड़ में सेब के 500 पौधे लगाए हैं। सभी पौधे जीवित हैं। अधिकारियों की मानें तो 3 साल में ये पौधे फल भी देने लगेंगे। विभाग ने यहां हरिमन 99, अन्ना इसराइल, डोरसेट गोल्डन प्रजाति के सेब के पौधे लगाए हैं।

उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों ने बताया कि पहले सेब की प्रजाति सिर्फ ठंडे प्रदेशों में होती थी। हालांकि, अब वैज्ञानिकों ने ऐसी प्रजाति भी विकसित की है, जो सामान्य या कम ठंडी जलवायु वाले क्षेत्रों में भी पैदावार देंगी। विभाग ने तीन प्रजातियों के 500 पौधे ट्रायल के लिए लगाए थे। उनका डाटाबेस तैयार किया जा रहा है। वहीं इस ट्रायल के काफी बेहतर परिणाम भी मिल रहे हैं।

ट्रायल सफल तो किसानों को भी मिलेंगे पौधे– सहायक संचालक आरएस शर्मा ने बताया सेब के पौधे लगाने का उद्देश्य ये है कि पचमढ़ी में सफलता पूर्वक सेब की पैदावार होती है तो पौधे तैयार कर किसानों को भी आसानी से उपलब्ध करा सकेंगे।

नाशपाती का पुराना बगीचा, इसलिए सेब की प्लानिंग– पचमढ़ी के पोलो उद्यान में नाशपाती का भी पुराना बगीचा है। 25 साल से बगीचे में नाशपाती पैदा हो रहे हैं। नाशपाती भी ठंडे क्षेत्र हिमाचल, कश्मीर में होती है। मप्र पचमढ़ी और अमरकंटक में इसकी पैदावार सफल रहीं। इसी को देखते हुए सेब के पौधे लगाएं है।

आड़ू, आलू बुखारा और खुमानी पौधे भी लगाए– सेब के साथ विभाग ने तीन अन्य फलों की पैदावार की तैयारी शुरू कर दी है। विभाग ने आधा-आधा एकड़ में आड़ू, आलू बुखारा और खुमानी के पौधे लगाए हैं। इससे अन्य तीन प्रजातियों के फलों की पैदावार के लिए भी मौसम की जरूरत होती है। यही कारण है कि विभाग ने अब आड़ू, आलू बुखारा और खुमानी की पैदावार का भी ट्रायल शुरू कर दिया है।

बंगाल में 135 किमी की रफ्तार से तूफान रेमल का लैंडफॉल

● पेड़-खंभे उखड़े, 5 लोगों की मौत, कोलकाता एयरपोर्ट पर 21 घंटे बाद उड़ानें शुरू

कोलकाता (एजेंसी)। खतरनाक चक्रवाती तूफान रेमल रविवार रात 8.30 बजे पश्चिम बंगाल के कैनिंग और बांग्लादेश के मोंगला में 135 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आया। लैंडफॉल 4 घंटे तक चला। इस दौरान तटीय इलाकों उत्तर और दक्षिण 24 परगना, पूर्वी मेदिनीपुर, दीघा, काकद्वीप, जयनगर, कोलकाता, हुगली और हावड़ा में 60 किमी की रफ्तार से हवाएं चली और बारिश हुई। तूफान से पश्चिम बंगाल के दक्षिणी तटीय इलाकों के 24 ब्लॉक और 79 वार्ड प्रभावित हुए। इन इलाकों के 15 हजार घरों को नुकसान हुआ है। राजधानी कोलकाता में 100 से ज्यादा पेड़ और बिजली के खंभे उखड़ गए। सड़कों पर पानी भर गया। अभी तक 5 लोगों की मौत की खबर थी।

पुणे पोर्श केस-नाबालिग के पिता ने डॉक्टरों से ब्लड सैंपल बदलवाया?

शराब की बात छिपाने के लिए घूस दी, सैंपल डस्टबिन में फिंकवाया; डॉक्टरों समेत 3 गिरफ्तार

पुणे (एजेंसी)। पुणे पोर्श एक्सीडेंट केस में सोमवार (27 मई) सुबह क्राइम ब्रांच ने दो डॉक्टर्स समेत तीन को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि अरेस्ट किए गए ससून जनरल हॉस्पिटल के फोरेंसिक डिपार्टमेंट के हेड डॉ. अजय तावरे और डॉ. श्रीहरि हैलनोर पर नाबालिग आरोपी का ब्लड सैंपल बदलने का आरोप है। तीसरे आरोपी का नाम अतुल घटकांबले है। उस पर आरोप है कि उसने डॉक्टरों की मदद की।

पुलिस कमिश्नर अमितेश कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि नाबालिग आरोपी के पिता विशाल अग्रवाल ने डॉक्टरों को ब्लड सैंपल बदलने के लिए घूस दी थी। डॉक्टरों ने ओरिजिनल ब्लड सैंपल डस्टबिन में फेंककर किसी अन्य शख्स का सैंपल लेकर रिपोर्ट बनाई, जिससे नाबालिग के नशे में होने की बात छिपाई जा सके। पुलिस ने नाबालिग के पिता के खिलाफ धोखाधड़ी, क्रिमिनल कॉन्सपिरेसी और सबूतों से छेड़छाड़ का केस भी दर्ज किया है।

● पुलिस बोली- ससून अस्पताल के डॉक्टर ने कबूली थी सैंपल बदलने की बात

पुलिस ने कहा कि घटना के बाद हमने नाबालिग के एल्कोहॉल ब्लड टेस्ट 2 अलग–अलग अस्पताल में कराए थे। ससून अस्पताल में कराई गई जांच में रिपोर्ट निगेटिव आई थी, लेकिन दूसरे अस्पताल से मिली रिपोर्ट से उसके नशे में होने की पुष्टि हुई थी। पब के सीसीटीवी में भी वह शराब पीते दिखा था। अमितेश कुमार ने कहा कि दूसरे अस्पताल से रिपोर्ट आने के बाद हमें ससून अस्पताल की रिपोर्ट पर शक हुआ था। पूछताछ करने पर डॉ. हैलनोर ने सैंपल बदलने की बात को स्वीकार किया। सबूत के लिए नाबालिग आरोपी के बंगले, बार, एक्सीडेंट साइट और हॉस्पिटल के पास लगे कुल 150 कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

प्रदेश पाती

दैनिक सद्भावना पाती

इंदौर, मंगलवार 28 मई, 2024

आवेदनों का निराकरण समय पर हो: कलेक्टर वैद्य

अनुपस्थितों को शोकॉज नोटिस जारी करने के निर्देश

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री बुद्धेश कुमार वैद्य ने बेतवा सभागार कक्ष में तीन बैठकें आयोजित कर संबंधितों को निर्देशित किया है कि हितग्राहीमूलक योजनाओं का लाभ समय पर मिले वहीं समस्यायुक्त आवेदनों का निराकरण समय पर हो इन कार्यों में किसी भी प्रकार की कोताही ना बरती जाए। कलेक्टर श्री वैद्य ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन के आवेदनों का निराकरण एल-वन स्तर पर ही हो ऐसी कार्यप्रणाली विभागो के जिलाधिकारी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि विदिशा जिला सीएम हेल्पालाइन की रैंकिंग सूची में टॉप टू से नीचे ना आए इसके लिए आवेदनों का समय पर निराकरण कराया जाना अतिआवश्यक है।

कलेक्टर श्री वैद्य ने सीएम हेल्पलाइन के आवेदनों की गहन समीक्षा करते हुए कहा कि ऐसे विभाग जो ए ग्रेड सूची में शामिल हैं उन विभागो के जिलाधिकारियों को अवकाश दिवसो में आयोजित होने वाली बैठको में शामिल होने की आवश्यकता नहीं है। अतः सभी विभाग इस ओर प्रयास करें कि ए ग्रेड सूची में शामिल हो सकें ताकि पृथक से समीक्षा बैठको में शामिल होने की जरूरत ना पडें। कलेक्टर श्री वैद्य ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन के पचास व सौ दिवस से संबंधित आवेदनों के निराकरण पर विभागीय अधिकारी विशेष जोर दें। इसी प्रकार के निर्देश उन्होंने सभी एसडीएमों को दिए है। कलेक्टर श्री वैद्य ने कहा कि एसडीएम अनुविभाग स्तर पर

समीक्षा बैठके आयोजित करें और हर रोज निराकरण की जानकारियों से जिला कार्यालय को अवगत कराएं। कलेक्टर श्री वैद्य ने कहा कि जिला मुख्यालय से बहार प्रवास करने वाले विभागो के अधिकारी जिले के किस क्षेत्र में भ्रमण कर रहें है कि जानकारियां भी गूगल लाइव लोकेशन के माध्यम से उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे।

कलेक्टर श्री वैद्य ने सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा के दौरान अनुपस्थित विभागो के जिलाधिकारियों को शोकॉज नोटिस जारी करने के निर्देश अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर को दिए है।कलेक्टर श्री वैद्य ने नगरीय निकायों के माध्यम से क्रियान्वित निर्माण कार्यो व हितग्राहीमूलक योजनाओं के कार्यो की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि जिले का हरेक निकाय क्षेत्र विशेष उपलब्धियो से जाना जाए। निकायो की रैकिंग जारी होने से पहले निर्धारित मापदण्डो के अनुसार सभी कार्य पूरे कराए जाए ताकि निकाय की रैकिंग सूची में सुधार हो सकें। नीति आयोग के द्वारा निकाय क्षेत्रो में आंगनबाडी केन्द्रो के निर्माण हेतु जारी की गई राशि से पूर्ण कराए गए भवनो की भी समीक्षा की गई। इसी प्रकार कायाकल्प अभियान के तहत निकाय क्षेत्रों में डामरीकृत सडको के निर्माण कार्यो के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए है।

कलेक्टर श्री वैद्य ने बारिश के पहले निकाय क्षेत्रो में किए जाने वाले कार्यो पर बल देते हुए कहा कि निकाय क्षेत्रो में जल भराव ना हो इसके लिए पूर्व वर्षो के क्षेत्रो को ध्यानगत रखते हुए जल निकासी के प्रबंध सुनिश्चित किए जाएं। उन्होंने बारिश के पहले आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए है ताकि आपदा प्रबंधन के दौरान किसी भी प्रकार की सामग्री प्राप्ति में दल के सदस्यों को दिक्कते ना हो। बैठक में अमृत 2.0 योजना, टेञचिंग ग्राउण्ड की स्थिति, संजीवनी क्लीनिक, अस्पतालो के वेस्ट मटेरियल के निष्पादन के संबंध में कलेक्टर श्री वैद्य ने कहा कि यदि कोई यूनिट डालना चाहते है तो जिला प्रशासन की ओर से जमीन उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने स्वच्छ भारत नगरीय निकाय के साथ-साथ हितग्राहीमूलक योजनाओं की अद्यतन स्थिति का जायजा लिया है।

पीएम जनमन के शत प्रतिशत हितग्राही लाभांवित हो

कलेक्टर श्री वैद्य ने पीएम जनमन योजना के तहत जिले में संपादित किए जाने वाले कार्यो की पृथक से समीक्षा की। उन्होंने कहा कि 15 मई तक योजना के पात्रताधारी सभी हितग्राहियों को शत प्रतिशत लाभांवित किया जाना है। उन्होंने कहा कि मुख्य रूप से हरेक हितग्राही की समग्र आईडी हो, आधार कार्ड बना हो, जन्म प्रमाण पत्र, आयुष्मान कार्ड आवश्यक हों। हितग्राहियों को किन-किन योजनाओं के तहत लाभांवित किया जाना है। यह विभागो के द्वारा चिन्हांकन किया गया है अब किसी भी प्रकार से इसमें विलम्ब ना हो। कलेक्टर श्री वैद्य ने कहा कि संयुक्त समन्वय प्रयासो से सहरिया जनजाति के नागरिकों को शासन की योजनाओं का शत प्रतिशत लाभ दिलाया जाना है अतः ग्रामो में आयोजित होने वाले शिविरो में सभी विभाग एक साथ उपस्थित होकर विभागीय योजना से लाभांवित कराने हेतु आवश्यक दस्तावेंजो की पूर्ति सुनिश्चित कराएं साथ ही हितग्राहियो को जारी होने वाले विभिन्न कार्डो की प्राप्ति एक ही शिविर के माध्यम से हो जाए को सुनिश्चित करें ताकि हितग्राहियो को योजनाओं का लाभ लेने के लिए बार-बार उपस्थित ना होना पडें।

बैठक में समग्र आईडी, आधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड, पात्रतापर्ची, उज्जवला योजना, जनधन खाता, स्व-सहायता समूह, पीएम विश्वकर्मा योजना की जनपदवार अद्यतन प्रगति की जानकारियां प्रस्तुत की गई। इसी प्रकार अद्योसंरचनात्मक योजनाओं के तहत पीएम आवास योजना, पीएम सडक योजना, विद्युतीकरण, आंगनबाडी केन्द्र भवनो, नलजल योजना, वन धन केन्द्र, स्वास्थ्य केन्द्र तथा बहुउद्धेश्यीय केन्द्रो के संबंध में क्रियान्वित कार्यो की जानकारियां विभागो के अधिकारियों, संबंधित एसडीएम के द्वारा प्रस्तुत की गई।

उपरोक्त बैठको में अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर, अतिरिक्त जिला पंचायत सीईओ श्री पंकज जैन, संयुक्त कलेक्टर द्वय श्री विनीत कुमार तिवारी, श्री मनोज कुमार उपाध्याय, डिप्टी कलेक्टर श्री संतोष बिटौलिया समेत विभिन्न विभागो के जिलाधिकारी मौजूद रहें। वहीं खण्ड स्तरीय अधिकारियों से वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से संवाद किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

लंबित पेंशन प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के दिए निर्देश

सीहोर (निप्र)। लंबित पेंशन प्रकरणों का शीघ्र निराकरण के लिए कलेक्टर श्री प्रवीण सिंह के निर्देश पर जिला पंचायत सभाकक्ष में बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर कलेक्टर श्री वृंदावन सिंह ने सभी विभागों के प्रकरणों की समीक्षा करते हुए सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारी-कर्मचारियों के प्रकरणों का शीघ्र निराकरण और भुगतान करने के सभी विभागों को जिला अधिकारियों एवं आहरण संवितरण अधिकारियों निर्देश दिए। बैठक में जिला कोषालय अधिकारी सहित सभी विभागों के आहरण संवितरण अधिकारी उपस्थित रहे।

थाना टिमरनी द्वारा 2 जिला बदर व्यक्तियों को किया गिरफ्तार

हरदा (निप्र)। पुलिस अधीक्षक हरदा श्री अभिनव चौकसे ने सभी थाना प्रभारी को अपने-अपने क्षेत्र में अपराधो में नियंत्रण और अंकुश लगाने के लिये समय समय पर गुंडा, बदमाश, हिस्ट्रीशीटर, जिला बदर व्यक्तियों की चैकिंग एवं उन पर विशेष नजर बनाये रखने के निर्देश दिए हैं। इसी क्रम में थाना प्रभारी टिमरनी श्री प्रहलाद सिंह मर्सकोले द्वारा विशेष टीम गठित कर शनिवार रात्री में थाना टिमरनी के जिला बदर की तलाश की गई। चेकिंग के दौरान जिला बदर हुये 2 व्यक्ति शहजाद खान पिता नवाब खान निवासी लाईन पार टिमरनी तथा वीरू उर्फ वीरसिंह राजपूत पिता रमेश राजपूत निवासी छिंदगांव मेल टिमरनी जिले में निवासरत पाये गये। दोनो व्यक्तियों के विरूद्ध प्रथक प्रथक धारा 5/14 म.प्र. राज्य सुरक्षा अधिनियम का पंजीबद्ध किया गया। उल्लेखनीय है कि आरोपी शहजाद तथा वीरू को 6-6 माह के लिये जिला बदर किया गया था। कार्यवाही में थाना टिमरनी के उप निरीक्षक श्रृद्धा उईके, उप निरीक्षक केंडिया धुर्वे. सहायक उप निरीक्षक राजेश रघुवंशी, सहायक उप निरीक्षक चंदन शाह, प्रधान आरक्षक 216 शांतिलाल कुमरे, प्रधान आरक्षक 333 देवेन्द्र सुरमा, आरक्षक महेन्द्र रघुवंशी तथा सायबर सेल के आरक्षक कमलेश की विशेष भूमिका रही।

अवैध उत्खनन व परिवहन के मामले में पोकलेन और ट्रैक्टर जप्त

हरदा (निप्र)। टिमरनी एसडीएम श्री महेश बडोले ने बताया कि शुक्रवार को ग्राम माथनी में शगुन बाई जाट के खेत में अवैध रूप से मिट्टी खोदते हुए पोकलेन मशीन जप्त की गई है। इसका पंचनामा तैयार कर अवैध उत्खनन का प्रकरण बनाया जा रहा है। इसके अलावा ग्राम पोखरनी में बड़े तालाब के पास अवैध रूप से रेत परिवहन करते हुए सुनील विश्वकर्मा निवासी टिमरनी का ट्रैक्टर पकड़ा गया जिस पर सम्बंधित के विरुद्ध अवैध खनन का प्रकरण तैयार किया जा रहा है।

रेत का अवैध परिवहन करने वाले दो ट्रैक्टर मालिकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज

हरदा (निप्र)। जिले में रेत के अवैध उत्खनन व परिवहन पर प्रभावी ढंग से रोक लगाने के लिए कलेक्टर श्री आदित्य सिंह ने निर्देश दिए हैं। रेत के अवैध उत्खनन व परिवहन के विरुद्ध कार्यवाही हेतु एसडीएम टिमरनी श्री महेश बडोले द्वारा राजस्व विभाग के अधिकारी कर्मचारियों के दल गठित किए गए हैं। टिमरनी क्षेत्र के राजस्व दल द्वारा ग्राम छिदगांव मेल में गंजाल नदी के पुल के पास ट्रैक्टर क्रमांक एमपी 47 ए एच 0275 रेत का परिवहन करते हुए पाया गया बगैर रॉयल्टी होने से कोटवार की अभिरक्षा में इस ट्रैक्टर को तहसील कार्यालय भेजा गया। इसी बीच वाहन मालिक शंकर राजपूत निवासी छिदगांव मेल ट्राली की रेत खाली कर, ट्रेक्टर वाहन भगाकर ले गया। इसके अलावा एक अन्य ट्रैक्टर वाहन पोखरनी तालाब के पास रेत का अवैध परिवहन करते हुए देखा गया और उसे जप्त कर कोटवार की अभिरक्षा में तहसील कार्यालय भेजा गया। वाहन मालिक आशीष नाई निवासी बघवाड रेत खाली कर वाहन भगाकर ले गया। दोनों ट्रैक्टर मालिकों के विरुद्ध एफ आई आर दर्ज करने के निर्देश एसडीएम टिमरनी श्री महेश बडोले ने दिए। जिस पर पुलिस थाना टिमरनी में राजस्व निरीक्षक श्री मोहन ठाकुर ने भारतीय दंड संहिता की धारा 353, 506 और 34 के तहत शासकीय कार्य में बाधा डालने के संबंध में प्रकरण दर्ज कराया है।

संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी राठी ने मतगणना व्यवस्थाओं का जायजा लिया

हरदा (निप्र)। लोकसभा निर्वाचन के लिए आगामी 4 जून को स्थानीय पॉलिटेक्निक कॉलेज परिसर में मतगणना संपन्न होगी। मतगणना के लिए की गई तैयारी और व्यवस्थाओं का जायजा प्रदेश के संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री तरुण कुमार राठी ने शनिवार को हरदा आकर लिया। इस अवसर पर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री आदित्य सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री अभिनव चौकसे, जिला पंचायत के सीईओ तथा मतगणना के प्रभारी श्री रोहित सिसोनिया, हरदा के सहायक रिटर्निंग अधिकारी श्री कुमार सानू देवड़िया तथा टिमरनी के सहायक रिटर्निंग अधिकारी श्री महेश बडोले सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद थे। संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राठी ने पॉलिटेक्निक कॉलेज परिसर का भ्रमण कर वहां मतगणना कक्षों में की गई व्यवस्थाएं देखी। इस दौरान उन्होंने मतगणना स्थल पर की गई बेरीकेटिंग व्यवस्था का भी जायजा लिया। उन्होंने निर्देश दिए कि ईवीएम के लाने ले जाने के लिए अलग से मार्ग निर्धारित रहे, बैरिकेटिंग कर यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने मीडिया प्रतिनिधियों के लिए बनाए गए कंट्रोल रूम का भी निरीक्षण किया। संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राठी ने पुलिस अधीक्षक श्री चौकसे से चर्चा कर मतगणना स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में जानकारी ली।

सर्किट हाउस में बैठक लेकर मतगणना तैयारी की समीक्षा की

संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राठी ने सर्किट हाउस में कलेक्टर श्री सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री चौकसे और जिला पंचायत के सीईओ श्री सिसोनिया के साथ संक्षिप्त बैठक कर मतगणना के लिए की गई तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देश अनुसार मतगणना का कार्य 4 जून को संपन्न कराया जाए।

प्रधान जिला न्यायाधीश शर्मा ने भैरूंदा सब जेल का किया निरीक्षण

सीहोर (निप्र)। प्रधान जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री सतीश चंद्र शर्मा ने भैरूंदा सब जेल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान श्री शर्मा ने पाकशाला, विडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष, जेल डिस्पेंसरी, स्टोर रूम, महिला सेल, बंदियों के बैरक, पानी एवं रोशनी की व्यवस्था, डॉक्टरों की उपलब्धता, बीमार बंदियों के उपचार सम्बंधी सुविधाओं तथा दवाओं की उपलब्धता भी देखी।

प्रधान जिला न्यायाधीश श्री शर्मा ने बंदियों एवं महिला बंदियों के साथ निरुद्ध बच्चे के पोषण, भोजन, स्वास्थ्य एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं तथा उनके प्रकरणों की प्रगति के सम्बंध में विस्तार से जानकारी ली तथा बंदियों की समस्याओं को सुना और त्वरित निराकरण के लिए संबंधितों को निर्देश दिए। श्री शर्मा ने भोजन कक्ष के निरीक्षण के दौरान भोजन की गुणवत्ता का परीक्षण किया, साथ ही स्टोर रूम निरीक्षण के दौरान गेहूं, चावल, दाल आदि भोजन सामग्री की गुणवत्ता भी देखी। डिस्पेंसरी में रोगी बंदियों को प्रदान की जाने वाली दवाओं के रजिस्टर का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव श्री एम.के. वर्मा, द्वितीय जिला न्यायाधीश भैरूंदा श्री रविन्द्र कुमार शर्मा, न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती सुनीता गोयल, न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती भावना जाटवा, प्रशिक्षु न्यायाधीश श्री ईशान ढंगुला, जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री जीशान खान, जेल का स्टाफ एवं बंदी गण उपस्थित थे।

गर्मी में सुरक्षित रहें पक्षी, दाना-पानी रखने के लिए नागरिक नगर में रख रहे सकोरे

नर्मदापुरम (निप्र)। गर्मी में बढ़ते तापमान से निजात दिलाने का सबसे सरल साधन पानी है। यह जितना इंसान को जरूरी है उतना ही पशु-पक्षियों के लिए भी। इंसान तो आसानी से इसकी व्यवस्था कर लेता है, लेकिन पशु पक्षियों को काफी दिक्कत होती है। इसको देखते हुए ब्राइट एजुकेशन डेवलपमेंट फाउंडेशन द्वारा पक्षी मेरा परिवार अभियान की शुरुआत शनिवार को नर्मदापुरम में की। अभियान की जानकारी देते संस्था सचिव साहिल तिलोटिया ने बताया कि पोस्टर का विमोचन शनिवार को किया था एवं सोमवार से पूरे नगर में पक्षियों के लिए सकोरे बांधे जा रहे हैं। वह धार्मिक स्थल, चौक चौराहों एवं घर घर देकर बांधे जा रहे है। अभियान सर्व समाजसेवियों के सहयोग से चलाया जा रहा है। कार्यक्रम पक्षियों को दाना- पानी रखने के साथ साथ सभी सर्व समाज को जागरूक करने के उद्देश से किया जा रहा है। ताकि सभी अपने घर के आस पास, छत पर किसी शीतल जगह पर पक्षियों को दाना पानी मिल सके। कार्यक्रम में समाज सेवी साहिल तिलोटिया, विद्या अकादमी, नर्मदा बचाओ संगठन, जन अभियान परिषद की नवांकुर संस्था श्री श्री वेद विज्ञान विधपीठ संस्था, रचित तिलोटिया, आयुष नहारिया, सचिन सैनी, प्रशांत मेहरा, राहुल मीणा, बीएसडब्लू, एमएसडब्ल्यू के छात्र अन्य समाजसेवी अपना विशेष सहयोग कर रहे है।

महिला अटेंडर ने नर्स के हाथ में काटा, दूसरी नर्स को थप्पड़ मारा; नर्मदापुरम जिला अस्पताल में विवाद

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम के जिला अस्पताल के फीमेल वार्ड में महिला अटेंडर ने 3 नर्स से की मारपीट और विवाद किया। अटेंडर ने एक नर्स को हाथ में दांत से काट लिया और एक को थप्पड़ मारा। तीसरी से झूमाझटकी की। महिला नर्स ने महिला अटेंडर के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा, मारपीट, गाली-गलौज समेत अन्य धाराओं में कोतवाली थाने में केस दर्ज कराया गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, प्रतिभा बामने निवासी जिला अस्पताल में नर्सिंग है। उसने थाने में शिकायत दर्ज करवाते हुए बताया कि शाम 7.45 बजे एक महिला मरीज को फीमेल वार्ड में भर्ती कराया गया था। उनके साथ में महिला डॉली प्रजापति अटेंडर थी। उपचार के दौरान अटेंडर ने दवा देने का कहा। नर्सिंग स्टाफ ने अटेंडर को इमरजेंसी डॉक्टर के पास पर्चे पर दवा लिखवाने जाने का कहा। इस बीच महिला ने नर्सिंग स्टाफ से विवाद शुरू कर दिया। सिविल सर्जन डॉक्टर आरसी प्रजापति का कहना है कि मुझे जानकारी तो लगी है कि कोई विवाद हुआ। पूरी जानकारी नहीं है।

40 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया

इटारसी (निप्र)। इटारसी सेवा भारती के संस्थापक स्वर्गीय विष्णु कुमार की पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर का आयोजन गीता देवी हॉस्पिटल (सांवरिया) में रखा गया। नगर के नागरिक एवं समाजसेवियों ने अपने सामाजिक दायित्व को निभाते हुए शिविर में पहुंचकर रक्तदान किया। शिविर में 40 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। रक्तदाताओं को रक्त देने के पश्चात फल एवं जूस दिया गया। शिविर में सेवा भारती मध्य भारत नर्मदापुरम के जिलाध्यक्ष सतीश अग्रवाल, पवन अग्रवाल, प्रकाश ताम्रकार, राजुल अग्रवाल, राजेंद्र तोमर, सुरेश नंदवानी, जगदीश खंडेलवाल, अजय खंडेलवाल, सतीश शर्मा, अरविंद गोईल, योगेश वर्मा, सोनू मैना सहित चिकित्सक उपस्थित थे।

देनवा में रोल बॉल चैंपियनशिप में किया प्रतिनिधित्व

नर्मदापुरम (निप्र)। देवास में हुई वेस्ट जोन रोल बॉल चैंपियनशिप में नर्मदापुरम के पांच खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्शनि कया।ि खलाड़ियों ने नर्मदापुरम का प्रतिनिधित्वि किया। कोच राकेश ठाकुर, राजपाल सिंह चड्ढा, संजय लालवानी दीपक तिवारी, आलोक राजपूत, आकांक्षा उज्जैनिया, महेंद्र पचलानिया ने बताया खिलाड़ी अर्कजीत सिंह चड्ढा, अभिषेक लालवाणी, नवीन मिर्धा, नवीन चौधरी, प्रदोउत काशिव ने जिले का नाम रोशन करते हुए इंडिया रोलबॉल एसोसिएशन के वेस्ट जोन चैंपियनशिप में भाग लिया।

रेत-खदान पर पथराव, तोड़फोड़ मामले में 2 एफआईआर

3महिलाएं समेत 10 पर अड़ीबाजी का भी आरोप, राजनैतिक सपोर्ट से रेत चोर भारी

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम जिले के जावली रेत खदान पर 24 मई को हुए पथराव, गाड़ियों और कम्पनी के दफ्तर में तोड़फोड़ के मामले में केस दर्ज हुआ। माखननगर थाने में ठेका कंपनी के द्वारा 2 एफआईआर दर्ज कराई। जिसमें 10 लोगों पर तोड़फोड़, अड़ीबाजी के आरोप में केस दर्ज किया। 10आरोपियों में गांव की 3 महिलाएं भी शामिल है। आरोपियों द्वारा डंपरों को पहले बंधक बनाकर रखा गया। फिर पथराव कर तोड़फोड़ की थी। इस दौरान गांव और रेत खदान के पास की लाइट बंद कर दी गई। इससे अंधेरा हो गया। मौके पर खड़ी एक बोलेरो एमपी 04 जेडक्यू 0863 भी पलट दी। इसमें तोड़फोड़ की। शीशे तोड़ दिए। कानून व्यवस्था बिगड़ने का खतरा देखते हुए भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा। पुलिस के पहुंचने के बाद गांव के लोग हटे। तब जाकर खदानों से डंपर रेत निकले। घटना के बाद रात में जावली खदान और गांव के पास पुलिस छावनी बन गई थी। भारी पुलिस बल तैनात करना पड़ा था। पुलिस रात में पेट्रोलिंग करेगी। 2कर्मचारी भी घायल हुए थे। माखननगर थाने में कम्पनी के 2 कर्मचारी द्वारा मुकदमा दर्ज कराया गया। पहली एफआईआर में फरियादी रुपेश पेठे ने आरोपी मुन्ना उर्फ सुरेश तोमर,

राधा बाई कहार, मनोज गौड़, मोनू उर्फ आदिल पिता लल्सु मिया चारों निवासी ग्राम जावली, विजय गौड़ निवासी डूडीया पर केस दर्ज कराया। दूसरी एफआईआर में फरियादी इमरान खान ने आरोपी गोपाल पठारिया, नितिन टेकाम, मुलिया बाई, रमिया बाई, अनिल कहार निवासी जावली पर केस दर्ज कराया। आरोपियों पर पैसे के लेनदेन पर अडीबाजी, गाली गलौच करना, जान से मारने की धमकी देना, कूलर-कुर्सी, गाड़ियों में तोड़फोड़ करने के आरोप है।

रेत चोरों, माफियों के कारण होते हैं बार-बार विवाद

नर्मदापुरम जिले में रेत के कारोबार में वैधऔर अवैध तरह से कई बड़े लोग शामिल है। कुछ नेताओं अप्रत्यक्ष रूप से कारोबार से जुड़े है। जिनकी मोटी कमाई रेत से होती है। साथ ही जिले में रेत चोर और माफिया बड़े स्तर पर सक्रिय है। जो अवैध उत्खनन कर परिवहन करते। उनके काम में अड़ंगा डालने पर विवाद, मारपीट तक करते है। शासन से अनुमति लेकर काम करने वाले ठेकेदार को भी माफिया खदानों से रेत खनन नहीं करने दे रहे हैं। जिसके कारण 5 साल में 2 बार अलग-अलग रेत ठेकेदार सरेंडर कर चुके है। नर्मदापुरम जिले से तीन समूहों को 172 करोड़ में 64 लाख घनमीटर निकालने के लिए ठेका दिया गया। 79 खदानों में 19 ही चालू हो पाई हैं। इनमें भी स्थानीय रेत चोर मारपीट, तोड़फोड़ कर रहे हैं। 24मई को जावली रेत खदान पर हुए उपद्रव भी ताजा उदाहरण है। इससे पहले 2019 में प्रदेश का सबसे महंगा रेत का ठेका 262 करोड़ में लेने के बाद आरकेटीसी कंपनी काम छोड़कर चली गई। तब भी बार बार रेत कम्पनी के कर्मचारी, रॉयल्टी दफ्तर, जांच नाके और कम्पनी की गाड़ियों में तोड़फोड़ होती थी। पिछले महीने आमखेड़ी रेत खदान पर भी विवाद, तोड़फोड़ हुई थीं।

दैनिक
सद्भावना पाती
...प्राणियों में सद्भावना हो...

नगर निगम की कचरा गाड़ी और डीपी में लगी आग

इंदौर। इमली बाजार चौराहे के पास रविवार की रात सडक़ किनारे खड़ी नगर निगम के कचरा गाड़ी में आग लग गई इसके कारण गाड़ी जल गई। दमकल सूत्रों ने बताया कि करीब 10 हजार लीटर पानी की मदद से आग पर काबू पाया गया। आग कैसे लगी इसका खुलासा नहीं हो पाया है। इसके अलावा रामबाग 15 नंबर स्कूल के पास एक डीपी में भी आग लगने की घटना हुई। रात 3 बजे करीब एलआईजी चौराहा स्थित गुरुद्वारा के पास डीपी में आग लग गई, जिससे डीपी खाक हो गई। साईं कृपा कॉलोनी में भी एक डीपी में धमाका हुआ और आग लग गई। शहर में जगह-जगह लग रही आग के कारणों को लेकर फायर ब्रिगेड के अधिकारी सुशील कुमार दुबे का कहना है कि शहर में जगह-जगह केबल लाइन का जाल फैला हुआ है। केबल में स्पार्किंग होने के कारण फाल्ट हो जाता है और नजदीक के मकानों, दुकानों और अन्य जगह आग लग जाती है। पिछले कई दिनों से शहर के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी आग लगने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, जिनमें लाखों रुपए का नुकसान हो रहा है।

तंबाकू से हर माह चार हजार लोगों की मौत

इंदौर। तंबाकू का सेवन शरीर के लिए हानिकारक होता है, यह बात लोगों को समझने की आवश्यकता है। आज से 20 वर्ष पहले तंबाकू से प्रति माह मृत लोगों की संख्या 1800 थी, लेकिन अब संख्या बढ़कर चार हजार हो गई है। पहले 20 प्रतिशत युवक और तीन प्रतिशत युवती तंबाकू का सेवन करती थी। लेकिन अब यह संख्या भी बढ़ गई है। अब 39 प्रतिशत युवक और 20 प्रतिशत युवती इसमें शामिल है। यह चिंता की बात है। क्योंकि इसके कारण महिलाओं को गर्भवती होने में भी समस्या होती है।इंडियन मेडिकल एसोसिएशन द्वारा तंबाकू कंट्रोल पर निजी होटल आयोजित कार्यशाला के दौरान आईएमए के राष्ट्रीय महासचिव डा. अनिल नायक ने कहीं। साथ ही बताया कि 13 से 15 की उम्र में इसकी लत से बच्चों को बचाना चाहिए, क्योंकि इस आयु में लत लग जाती है तो बाद में समस्या होती है। यदि इस उम्र में इसके सेवन से बचा लिया तो भविष्य में लत लगने की संभावना कम हो जाती है।नायक ने बताया कि तंबाकू के सेवन से आने वाली पीढ़ी को बचाने के लिए आएएमए द्वारा आओ गांव चले कार्यक्रम भी आयोजित किया जाता है। जिसमें गोद लिए गांवों में हर रविवार को डाक्टरों की टीम जाती है और उन्हें तंबाकू के सेवन से दूर रहने के लिए जागरूक करती है।थोड़ी-थोड़ी दूरी पर मिलने लगी तंबाकू की सामग्री राजस्थान कैंसर सोसायटी के डॉ. राकेश गुप्ता का कहना है कि तंबाकू सेवन से होने वाली शारीरिक व्याधियां केवल व्यक्ति ही नहीं, समाज ही नहीं पूरे देश को गहरी हानि पहुंचा रहा है। आजकल थोड़ी-थोड़ी दूरी पर तंबाकू की सामग्री आसानी से उपलब्ध होने लगी है। मध्य प्रदेश में बीड़ी के तेंदूपत्ता का बड़ा कारोबार जबलपुर और बीड़ी निर्माण का कार्य सागर में होता है।

सोने चांदी की दुकान से चोरी करने वाले ईरानी गैंग के चोर गिरफ्तार, 19 सोने की अंगूठी बरामद

इंदौर। पुलिस थाना बाणगंगा क्षेत्र में भाविका ज्वेलर्स नामक सोने चांदी की दुकान पर दो अज्ञात ईरानी व्यक्ति सोने से बने आभूषण खरीदने का बोलकर आये और दुकानदार को अपनी बातों में उलझाकर सुनार की दुकान के बॉक्स से बढ़ी ही चालाकी से सोने की अंगूठियों से भरी एक पॉलिथीन को चुरा कर ले गये थे। उक्त मामले में पुलिस ने आरोपियों को धर दबोचा है और उनसे 19 चोरी की अंगूठी जब्त की है। अधिकारियों ने घटना की गंभीरता को देखते हुए आरोपियों की तलाश के लिये पुलिस टीम को इन्दौर व दूसरे शहरों में विभिन्न थाना क्षेत्रों में रवाना किया गया था। टीम द्वारा सीसीटीवी फुटेज व तकनीकी जांच के आधार पर घटना को अंजाम देने वाले आरोपियों जाकिर हुसैन अली (भोपाल) व अमजद अली (रतलाम) को गिरफ्तार किया गया तथा उनके कब्जे से चोरी की 19 नग सोने की अंगूठियां बरामद की गयी है। आरोपियों को गिरफ्तार कर प्रकरण में विवेचना के आधार पर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। आरोपियों से चोरी के अन्य सोने की अंगूठियों व अन्य वारदातों के बारे में पूछताछ की जा रही है।

लैक पैलेस कॉलोनी में गहराया जल संकट, रहवासी हो रहे परेशान

इंदौर। इंदौर स्थित लैक पैलेस कालोनी में जल संकट गहरा गया है। कॉलोनी के रहवासियों का कहना है कि नर्मदा का पानी हमारे नलों में नहीं आ रहा है जबकि पानी की टंकी संगम नगर में बनी हुई है। इस स्थान से हमारे पाइप लाइन में पानी का प्रेशर नहीं दिया जा रहा है। इस विषय में कई बार हमने अधिकारियों को सूचित किया है। जहां पानी की टंकी बनी हुई है वहां बिना मोटर लगाए पानी भर रहे हैं और हमारे यहां मोटर लगाकर भी पानी नहीं आ रहा है। इस संबंध में कार्यपालन यंत्री संजीव श्रीवास्तव, झोनल अधिकारी अवधेश जैन, उपयंत्री विजय सिंह, टंकी प्रभारी प्रजापति को भी रहवासियों द्वारा अवगत कर दिया गया है लेकिन अब तक कोई कार्यवाही नहीं हुई।

440 वोल्ट नहीं.....44 डिग्री में बिजली कटौती का झटका

● घंटों गुल हो रही बिजली से शहर में त्राहिमाम, जनता बेहाल, कई क्षेत्रों में प्रदर्शन ● सर्वहारा नगर से सुदामा नगर, कनाड़िया रोड से एयरपोर्ट रोड तक मचा हाहाकार, जिम्मेदार गहरी नींद में सो रहे हैं.....

सदभावना पाती संवाददाता

इंदौर। गर्मी में बिजली कंपनी द्वारा की जा रही कटौती शहरवासियों के लिए परेशानी का सबब बनी हुई है। शहर के लगभग सभी क्षेत्रों में दो से चार घंटे बिजली गुल हो रही है। बिजली गुल होते ही कंपनी के अधिकारी लोगों की शिकायत सुनने के बजाय अपने मोबाइल बंद कर लेते हैं। बिजली कटौती से परेशान होकर आमजन कई क्षेत्रों में प्रदर्शन भी कर चुके हैं। इधर बिजली कंपनी का कहना कि गर्मी की वजह से मांग बढ़ी हुई है। हमारे उपकरण शत प्रतिशत क्षमता से काम कर रहे हैं इस वजह से बार-बार फाल्ट हो रहा है। प्रत्येक दिन कई इलाकों में बिजली की आंख मिचौली चलती रहती है। सर्वहारा नगर, नदिया नगर, सुदामा नगर, परिवहन नगर, रिंग रोड के हिस्से की कालोनियां, सुखलिया मांगलिया, कनाडिया रोड, एयरपोर्ट रोड, चंदन नगर क्षेत्र की कालोनियों सहित मनोरमागंज क्षेत्र फीडर से जुड़ी कालोनियां श्रीनगर एक्टेंशन, अनूप नगर, बैकुंठ धाम कालोनी सहित कई क्षेत्रों में बिजली घंटों गुल हो रही है। बीते रोज इन क्षेत्रों के रहवासियों ने बताया कि उन्होंने बिजली कंपनी के अधिकारियों को फोन लगाया, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। गर्मी की वजह से परेशान बिजली कंपनी को कोसते रहे। हालांकि दोपहर के समय मौसम में आए बदलाव से तापमान में गिरावट हुई और मामूली राहत भी मिली। लोगों का कहना है कि शहर की जनता बिजली कटौती को लेकर त्राहि त्राहि कर रही है और जिम्मेदार गहरी नींद में सो रहे हैं।

सेंट्रल जेल में एक करोड़ की लागत से बनी दो नई बैरक

इंदौर। इंदौर संभाग की सबसे बड़ी केंद्रीय जेल में क्षमता से चार गुना कैदियों को रखे जाने के कारण जेल प्रशासन के सामने बड़ी समस्या खड़ी होती जा रही है। गर्मी के दिनों में सबसे ज्यादा कठिनाइयां कैदियों को उठाना पड़ रही हैं। आज सेंट्रल जेल में एक करोड़ की लागत से तैयार की गई डबल स्टोरी दो नई बैरकों को ताबड़तोड़ शुरू कर दिया गया। मिली जानकारी के अनुसार जेल में यूं तो क्षमता 1100 कैदियों को रखने की है, लेकिन वर्तमान में इसमें 2300 कैदियों को रखा जा रहा है। जेल में इस समस्या से निजात दिलाने के लिए 1 वर्ष पूर्व जेल अधीक्षक अलका सोनकर ने शासन स्तर पर कुछ प्रयास किए थे।उसके परिणाम स्वरूप एक करोड़ की राशि स्वीकृत की गई थी। उसी से जेल में डबल स्टोरी दो बैरक तैयार की गईं। आज सुबह जेल अधिकारियों की मौजूदगी में इन्हें शुरू कर दिया गया। हालांकि उसमें कुछ काम अभी बाकी है। जेल के सूत्रों ने बताया कि इन नई बैरकों में 50 कैदियों को रखा जा सकेगा। उल्लेखनीय है कि सेंट्रल जेल में अंग्रेजों के जमाने की 40 साल पुरानी बैरकें बनी हैं। उनमें मजबूरन कैदियों को रखा जाता है। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय की खंडपीठ के न्यायाधीश कई बार संज्ञान लेकर कह चुके हैं कि क्षमता को काम किया जाए और आसपास के जिलों में इन कैदियों को भेजा जाए। बावजूद इसके स्थिति ऐसी बनी हुई है।

कांग्रेस रोज खोलेगी निगम के घोटाले

रोज शाम 5 बजे घोटालों को जानकारी देंगे कांग्रेस पार्षद

इंदौर। कांग्रेस पार्षद दल ने अब नगर निगम में हो रहे घोटालों को लेकर हर दिन नई-नई जानकारी मीडिया के सामने लाने की तैयारी की है। इसको लेकर आंकड़े भी जुटाए गए हैं। कांग्रेस पार्षद दल का कहना है कि हर दिन शाम 5 बजे नगर निगम में ही घोटालों से जुड़ी जानकारी दी जाएगी और जनधन के दुरूपयोग को रोकने के लिए जनता से भी समर्थन मांगा जाएगा, जिसको लेकर कई कार्यक्रम किए जाएंगे।

लोकसभा चुनाव निपट चुके हैं और अब कांग्रेस के पास आंदोलन करने के अलावा कोई चारा नहीं है, लेकिन कांग्रेस को बैठे-बिठाए अधिकारियों ने फर्जी बिल का मुद्दा दे दिया है। इसके अलावा सड़क निर्माण में भ्रष्टाचार और ड्रेनेज लाइन डालने में गड़बड़ी को लेकर भी कांग्रेस अब नगर निगम को घेरने की कोशिश करेगी। भले ही ये घोटाले परिषद के बिना हुए हों, लेकिन कांग्रेस इसको लेकर भाजपा को घेरेगी और घोटाले में निष्पक्ष जांच करने की मांग करेगी। एक प्रेस कान्फ्रेंस के दौरान नेता प्रतिपक्ष चिंटू चौकसे ने बताया कि जनधन का हिसाब दो, घोटालों का जवाब दो नामक कैम्पेन मंगलवार से चलाया जा रहा है, जिसमें प्रतिदिन आम लोगों को साथ लेकर हस्ताक्षर अभियान, वाहनों पर स्टीकर लगाना तथा अधिकारियों को सद्बुद्धि देने के लिए भजन-कीर्तन भी किए जाएंगे। इसके अलावा नगर निगम में प्रतिदिन शाम 5 बजे चौकसे नगर निगम स्थित अपने कार्यालय में घोटालों से संबंधित नए-नए राज खोलेंगे। उन्होंने कहा कि कुंदन नगर में सड़क बनाए बिना दो फाइलें पास करवा ली गईं। ऐसे और भी कई मामले हैं, जिनमें करोड़ों रुपए का भ्रष्टाचार हुआ है। इन सबकी जानकारी हमारे माध्यम से दी जाएगी। इसके बाद जून माह में एक बड़ा जंगी प्रदर्शन प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी की मौजूदगी में नगर निगम में किए जाने की तैयारी भी की गई है।

मतगणना स्थलों पर वीडियो/सीसीटीवी के माध्यम से कवरेज हेतु दिशा-निर्देश जारी

मतगणना प्रक्रिया एवं ईव्हीएम के मुवमेन्ट संबंधी गतिविधियों पर रखी जायेगी निगरानी

इंदौर। लोकसभा निर्वाचन 2024 के संबंध में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन द्वारा मतगणना हेतु वीडियो/सीसीटीवी कवरेज के लिए दिशा-निर्देश जारी किये है। मतगणना स्थलों पर वीडियो/सीसीटीवी के माध्यम से मतगणना प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सके।

अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी राजेन्द्रसिंह रघुवंशी ने बताया है कि मतगणना 04 जून 2024 के संबंध में संपूर्ण मतगणना प्रक्रिया एवं ईव्हीएम के मुवमेन्ट संबंधी गतिविधियों की निगरानी हेतु प्रत्येक मतगणना कक्ष में अंदर की ओर 4 एवं मतगणना केन्द्र पर बाहर की ओर (परिसर में) अधिकतम दस कैमरे तक लगाये जा सकेंगे। निर्देशों के अनुक्रम में प्रति विधानसभा 4 कैमरे लगाये जायेंगे। इंदौर जिले की सभी 9 विधानसभा क्षेत्रों के लिए 9ङ्ग4 कुल 36 कैमरों सहित पोस्टल बैलेट कक्ष क्रमांक II-10 में 4 कैमरे एवं मतगणना स्थल परिसर में कुल 10 कैमरे इस प्रकार कुल 50 सी.सी.टी.वी. कैमरे लगाये जायेंगे। मतगणना दिवस के दो दिवस पूर्व कंट्रोल रूम में सीसीटीवी कैमरे स्थापित करने की कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी। इस संबंध में प्रभारी डिप्टी कलेक्टर एवं नोडल अधिकारी अजय भूषण शुक्ला द्वारा कार्यवाही की जा रही है।

बीकानेर घाट बायपास के लिए फ्लायओवर बनना शुरू

इंदौर। इंदौर-खलघाट हाईवे के खतरनाक बाकानेर घाट (गणेश घाट) में बनाए जा रहे नए बायपास का काम तेजी से हो रहा है। अब प्रोजेक्ट के तहत एक फ्लायओवर और एक अंडरपास का काम भी शुरू हो गया है। दिसंबर-24 तक प्रोजेक्ट पूरा करने का लक्ष्य है। बायपास बनने से इंदौर से खलघाट जाते समय वाहन चालकों को सीधी ढलान नहीं मिलेगी, जिससे दुर्घटनाएं रुकेंगी। लगातार दुर्घटनाओं के कारण नेशनल हाईवेज अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने 8.80 किलोमीटर लंबा बायपास बनाने का फैसला लिया था, जिसके निर्माण पर 209 करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं। 2023 में इसका काम शुरू हुआ था। बाकानेर घाट में तीखे ढलान के कारण इंदौर से खलघाट की तरफ जाने वाले वाहन एक-दूसरे भिड़ जाते हैं, जिससे जान-माल का काफी नुकसान होता है।एनएचएआई अफसरों ने बताया कि नई व्यवस्था के तहत इंदौर से खलघाट जाते समय पहले वाहन मौजूदा हाईवे के नीचे बनाए जा रहे अंडरपास से गुजरेंगे। उसके बाद दूसरे छोर (खलघाट एंड) पर वाहन फ्लायओवर से होते हुए वर्तमान हाईवे के ऊपर से गुजरेंगे। आगे जाकर नया बायपास वर्तमान फोर लेन हाईवे से जुड़ जाएगा। इंदौर-खलघाट हाईवे अभी फोर लेन चौड़ा है, लेकिन भविष्य के चौड़ीकरण को देखते हुए बायपास और उस पर बनाए जा रहे फ्लायओवर व अंडरब्रिज तीन-तीन लेन चौड़े बनाए जा रहे हैं।

तंबाकू से हर माह चार हजार लोगों की मौत

39 प्रतिशत युवक और 20 प्रतिशत युवतियां कर रहीं सेवन

इंदौर। तंबाकू का सेवन शरीर के लिए हानिकारक होता है, यह बात लोगों को समझने की आवश्यकता है। आज से 20 वर्ष पहले तंबाकू से प्रति माह मृत लोगों की संख्या 1800 थी, लेकिन अब संख्या बढ़कर चार हजार हो गई है। पहले 20 प्रतिशत युवक और तीन प्रतिशत युवती तंबाकू का सेवन करती थी। लेकिन अब यह संख्या भी बढ़ गई है। अब 39 प्रतिशत युवक और 20 प्रतिशत युवती इसमें शामिल है। यह चिंता की बात है। क्योंकि इसके कारण महिलाओं को गर्भवती होने में भी समस्या होती है। यह बात रविवार को इंडियन मेडिकल एसोसिएशन द्वारा तंबाकू कंट्रोल पर निजी होटल आयोजित कार्यशाला के दौरान आईएमए के राष्ट्रीय महासचिव डा. अनिल नायक ने कहीं। साथ ही बताया कि 13 से 15 की उम्र में इसकी लत से बच्चों को बचाना चाहिए, क्योंकि इस आयु में लत लग जाती है तो बाद में समस्या होती है।

थोड़ी-थोड़ी दूरी पर मिलने लगी तंबाकू की सामग्री

राजस्थान कैंसर सोसायटी के डॉ. राकेश गुप्ता ने बताया कि तंबाकू सेवन से होने वाली शारीरिक व्याधियां केवल व्यक्ति ही नहीं, समाज ही नहीं पूरे देश को गहरी हानि पहुंचा रहा है। आजकल थोड़ी-थोड़ी दूरी पर तंबाकू की सामग्री आसानी से उपलब्ध होने लगी है। मध्य प्रदेश में बीड़ी के तेंदूपत्ता का बड़ा कारोबार जबलपुर और बीड़ी निर्माण का कार्य सागर में होता है।

कोलकाता में रेमल तूफान का असर फ्लाइट पर सोमवार की फ्लाइट कैंसिल

मंगलवार से समय पर चलेगी

इंदौर। एयरपोर्ट पर कोलकाता से आने और इंदौर से कोलकाता जाने वाली फ्लाइट को कैंसल कर दिया गया है। इसकी वजह रेमल तूफान बताई जा रही है। दरअसल, तूफान रेमल के पश्चिम बंगाल में तट से टकराने की आशंका के चलते कोलकाता एयरपोर्ट को बंद किया गया है। इस कारण इंदौर आने-जाने वाली कोलकाता उड़ान को भी निरस्त कर दिया गया। कंपनी ने पहले ही इसकी सूचना यात्रियों को दे दी थी, जिससे यात्रियों को परेशानी नहीं हुई। कंपनी ने यात्रियों को रिफंड और री-बुकिंग के विकल्प दिए हैं। इंदौर से कोलकाता की लिए रोजाना एक डायरेक्ट फ्लाइट है। कोलकाता से रोजाना सुबह 6.30 बजे इंडिगो की फ्लाइट इंदौर के लिए उड़ान भरती है जो सुबह 8.35 बजे इंदौर पहुंचती है।

पति-पत्नी जहां रहते हैं, वहां नहीं चलेगा तलाक केस हाई कोर्ट ने नई जगह पर ट्रांसफर किया, दिलचस्प है वजह..

इंदौर। इंदौर में पति-पत्नी के तलाक केस की सुनवाई नई कोर्ट लोकेशन पर ट्रांसफर करने का मामला सामने आया है। यह आंशिक राहत महिला नहीं, बल्कि उसके पति की अर्जी पर हाई कोर्ट ने दी है। वकीलों का दावा है कि तलाक केस सुनवाई के लिए महिला के बजाय पुरुष को आंशिक राहत देने का इंदौर में पहला मामला है। फेयरलेस न्याय को आधार बनाया है। मामला ऐसा है कि पति रीवा में ही करता है। चाहता था कि तलाक केस रीवा फैमिली कोर्ट में ट्रांसफर कर दिया जाए। पत्नी सागर की है लेकिन इंदौर में नौकरी करती है। वह चाहती है कि केस इंदौर में ही चलता रहे। हाई कोर्ट ने पति की अर्जी पर फैसला दिया है। हालांकि, केस को न तो रीवा शिफ्ट किया, न ही इंदौर में ही चलने दिया, बल्कि छ्छ्ह महू कोर्ट में चलाने के आदेश दिए। अब वहां अगली सुनवाई अगस्त में सुनवाई होगी।

जानिए क्या यह है दिलचस्प मामला, क्यों पत्नी के बजाय पति की अर्जी को अदालत ने मान ली...

रीवा के रहने वाले मनीष (परिवर्तित नाम) की शादी सागर की अर्चना (परिवर्तित नाम) से 2017 में हुई। पति रीवा का रहने वाला है। अभी वहीं रह रहा है, उसका प्राइवेट जॉब है। पत्नी सागर की रहने वाली थी। रीवा में शादी के बाद पत्नी की इंदौर में सरकारी नौकरी लग गई। पति ने कह दिया कि आपको जॉब छोड़ने की जरूरत नहीं है।

इंदौर के राजवाड़ा में ऑटो और ई-रिक्शा पर बैन

इंदौर। शहर के सबसे प्रमुख व्यापारिक क्षेत्र राजवाड़ा पर आज से सात दिन के लिए ऑटो और ई-रिक्शा के प्रवेश पर रोक लगा दी गई है। इसे अभी ट्रायल के रूप में लागू किया है यदि ट्रैफिक व्यवस्था में सुधार दिखाई दिया तो इसे स्थायी व्यवस्था बना दिया जाएगा। सोमवार को ऑटो और ई-रिक्शा पर बैन के बाद बच्चे और महिलाएं तेज धूप में परेशान होते रहे। दूसरी तरफ कारों और बसों को साफ रास्ता मिला। ऑटो और ई-रिक्शा वालों को दी ट्रैफिक संभालने की सजा सोमवार को पुलिसकर्मियों ने फ्रूट मार्केट और गुरु नानक चौक से राजवाड़ा की तरफ ई रिक्शा वालों को नहीं आने दिया। इसके बाद भी कुछ ई रिक्शा चालक गलियों के अंदर से राजवाड़ा चौक में प्रवेश कर गए तो पुलिसकर्मियों ने उन्हें रोककर पकड़ा और काफी देर तक कार्रवाई के रूप में ट्रैफिक संभलवाया। राजवाड़ा क्षेत्र में रिक्शा नहीं आने से सड़कों पर सूनापन नजर आया। भीड़ भी कम दिखी।

ऑनलाइन डिजिटल सिस्टम मजबूत करने में जुटा एमवायएच प्रशासन, घर बैठे ऐसे बनाएं पर्ची

इंदौर। एमवाय हॉस्पिटल में मरीजों अथवा उनके परिजनों को मेडिकल पर्ची बनवाने के लिए ओपीडी के काउंटर पर लाइन में लगकर बारी का इंतजार करने या धक्के खाने की जरूरत नहीं है। अब एमवायएच के वालेंटियर ओपीडी काउंटर पर लाइन में लगे मरीजों अथवा उनके परिजनों को घर बैठे अपने स्मार्ट मोबाइल पर इलाज की मेडिकल पर्ची कैसे बनाएं, यह सिखा रहे हैं। समय और कागज की बचत और कुशल प्रबंधन के लिए एमवाय हॉस्पिटल प्रशासन विगत 4 महीने से हॉस्पिटल डिजिटल मैनेजमेंट के अनुसार न्यू ओपीडी काउंटर से लेकर पैथोलॉजी लैब सहित कैजुअल्टी, सर्जरी व ऑपरेशन थियेटर सहित सभी विभागों में ऑनलाइन सिस्टम की व्यवस्था लागू करने में जुटा हुआ है। इसी व्यवस्था के अनुसार अब मरीजों और उनके परिजनों को अपने स्मार्ट मोबाइल घर बैठे इलाज की मेडिकल पर्ची बनाना सिखा रहे हैं।

एमवायएच अधीक्षक यादव ने बताया कि गूगल प्ले पर जाकर मरीज या उनके परिजन मोबाइल पर आयुष्मान भारत ऐप डाउनलोड करें। इस एप्लीकेशन से मरीज अपना आधार कार्ड का नंबर एड कर लें। आधार कार्ड से लिंक होते ही मरीज के नाम, पते सहित सारी जानकारी, यानी कम्प्लीट डाटा एड हो जाएगा। इस क्यूआर बारकोड न्यू ओपीडी के काउंटर पर दिखाने पर 1 मिनट में पर्ची बन जाएगी।

डिजिटल पर्ची के लिए 2 काउंटर

इन ऑनलाइन डिजिटल मेडिकल पर्ची वालों के लिए न्यू ओपीडी में 1 और 2 नम्बर विंडो, यानी खिड़की अलग से बनाए गए हैं। इस काउंटर पर मरीजों को अपने मोबाइल पर आभा ऐप का क्यूआर बार कोड दिखाना पड़ता है।

कई मरीजों अथवा उनके परिजन मोबाइल पर घर बैठे ओपीडी की मेडिकल पर्ची बनाने के बारे में जानकारी नहीं है या फिर उन्हें उनके मोबाइल पर डिजिटल पर्ची बनाना नहीं आता, इसलिए एमवायएच प्रशासन ने ओपीडी काउंटर पर पर्ची बनाना सिखाने के लिए 2 वालेंटियर्स कर्मचारी की ड्यूटी लगाई है।

इंदौर जिले में पर्यावरण संरक्षण एवं सुधार के लिए वृक्षारोपण का महाअभियान चलाया जाएगा

इंदौर। इंदौर जिले में पर्यावरण संरक्षण एवं सुधार के लिए वृक्षारोपण का महाअभियान चलाया जाएगा। इस अभियान की व्यापक तैयारियां प्रारंभ हो गई हैं। अभियान के अंतर्गत समाज के हर वर्ग की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही शासकीय विभागों की रिक्त भूमियों पर भी सघन वृक्षारोपण किया जाएगा। इसके लिए कलेक्टर आशीष सिंह विभागों को जिम्मेदारी सौंपते हुए लक्ष्य भी निर्धारित किए हैं। जिले में आगामी दिनों में अधिक से अधिक वृक्षारोपण किये जाने के लिए कलेक्टर सिंह ने समस्त विभागों के अधिकारियों को रिक्त शासकीय/अशासकीय भूमि, ग्रीन बेल्ट की भूमि का सही आकलन किये जाने के निर्देश दिये हैं। सिंह ने कहा कि छोटी-छोटी रिक्त शासकीय भूमि पर वृक्षारोपण किये जाने से ये भूमि अतिक्रमण मुक्त रहेंगी। ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक रिक्त भूमि होने से वृक्षारोपण बड़ी संख्या में हो सकेगा लेकिन शहरी क्षेत्र में रिक्त भूमि कम होने से छोटे-छोटे हिस्सों में वृक्षारोपण किया जा सकता है। उन्होंने प्रत्येक ग्राम पंचायत को निर्देश दिये कि बड़ी संख्या में वृक्षारोपण किये जाने हेतु ग्रामीण क्षेत्रों में सर्वे किया जाना सुनिश्चित करें। कलेक्टर सिंह ने विभागीय गतिविधियों विस्तार से समीक्षा की।

दैनिक सद्भावना पाती
इंदौर, मंगलवार 28 मई, 2024

संपादकीय

क्या तकनीकी जासूसी है चीन की कामयाबी का राज

अंतर्राष्ट्रीय मीडिया में इन दिनों एक खबर प्रमुखता बनाए हुए है। जिसका सार यह है कि अमरीका, ऑस्ट्रेलिया समेत पश्चिम के देशों की इन दिनों एक नई चुनौती सामने आने के बाद नींद उड़ी हुई है। यह चुनौती पैदा हुई है चीन द्वारा कथित तौर पर की जा रही नए तरीके की जासूसी से। विश्व में बड़े प्लेयर की भूमिका निभाने वाले इन देशों की खुफिया एजैंसियां आरोप लगा रही हैं कि चीन तकनीक और औद्योगिक जासूसी के काम में बरसों से लिप्त है लेकिन इस तरफ किसी का सहजता से ध्यान नहीं गया। यह मामला खुफिया एजैंसियों द्वारा जिस तरह के मामलों की जासूसी की जाती है उससे बिल्कुल ही अलग है।

बी.बी.सी. को दिए इंटरव्यू में ऑस्ट्रेलिया की खुफिया एजैंसी ऑस्ट्रेलियाई सुरक्षा और खुफिया संगठन माईक ब्रगेस का कथन प्रकाशित हुआ है जिसमें कहा गया है कि उनकी एजैंसी बीते 74 सालों में इतनी व्यस्त कभी नहीं रही जितनी अब व्यस्त है। पश्चिमी देशों ने इस खतरे को समझने में देरी की है। दरअसल हम सामूहिक तौर पर चूक गए हैं। कमर्शियल जासूसी बिल्कुल अलग मामला है। ऐसे मामलों पर अब ब्रिटेन की एम 16 विदेशी खुफिया एजैंसी प्रमुख का भी बयान इंटरनैशनल मीडिया में सामने आया है जिसमें कहा गया है कि चीन ये लंबे समय से करता आ रहा है। तो क्या चीन की उत्पादन और निर्माण में दुनिया भर में बादशाहत या कहें राज करने की स्थिति तक पहुंचने में इस कमर्शियल जासूसी का ही बड़ा योगदान है? इसका जवाब हां में निकल कर आ रहा है क्योंकि पश्चिम ने जो आरोप लगाया है उसमें कहा गया है कि चीन का कमर्शियल जासूसी नैटवर्क एकत्रित की गई सूचनाओं को चीन की कंपनियों से सांझा करता है। जाहिर-सी बात है इन सूचनाओं का उपयोग चीनी कंपनियां अपने प्रोडक्ट के निर्माण और गुणवत्ता और नए आविष्कारों के लिए करती हैं। इसे समझने के लिए हमें 80 के दशक में जाना होगा।

वर्ष 1980 में चीन ने पहली बार 4 स्पैशल इकोनॉमिक जोन बनाए थे। जिन्हें एस.ई.जैड. कहा जाता है। यानी आज से तकरीबन 43 वर्ष पहले चीन ने बड़े औद्योगिक स्तर पर वस्तुओं के निर्माण की दिशा में बड़ा और ठोस कदम बढ़ा लिया था। इससे पहले आयरलैंड में 1950 में एस.ई.जैड. स्थापित किया गया था। उसके बाद कुछ अन्य देशों में भी ऐसे प्रयास हुए लेकिन वहां वो सफलता शायद नहीं मिल पाई जो चीन ने हासिल कर ली। चीन एस.ई.जैड. के माध्यम से न केवल विश्व में बड़ा निर्माता बन कर उभरा है, बल्कि विश्व की कई बड़ी कंपनियों को अपने उद्योग चीन में स्थापित करने के लिए प्रेरित करने में कामयाब रहा। सस्ती लागत और सस्ते कामगार इसका कारण शायद रहे होंगे।

आज दुनिया भर के देशों में अनेकों वस्तुओं के निर्माण में काम आने वाले कच्चे माल (रॉ मैटीरियल) का जहां मुख्य आपूर्तिकर्त्ता है वहीं विश्व के अधिकांश देशों के बाजार चीन के तैयार माल से पटे पड़े हैं। जहां चीन का तैयार माल खूब बिक रहा है उन देशों की सूची में जहां अफ्रीका के गरीबी से जूझ रहे देश शामिल हैं वहीं चीन की मार्कीट में शुमार देशों में अमरीका जैसे विकसित और भारत जैसे विकासशील देश भी शामिल हैं। चीन ने न केवल अपने यहां बड़े और विशाल एस.ई.जैड. विकसित किए बल्कि अफ्रीकी देशों की भी एस.ई.जैड. शुरू करने में न केवल मदद की बल्कि उन्हें वित्तीय मदद भी की।

उपलब्ध जानकारी के अनुसार चीन ने नाइजीरिया, डिजीबूटी, केन्या, जांबिया, मॉरीशस, मॉरिटानिया, अल्जीरिया और इजिप्ट जैसे देशों की एस.ई.जैड. स्थापित करने में मदद की और उन्हें चाइना अफ्रीका डिवैल्पमैंट फंड तथा फोरम ऑन चाईना अफ्रीका कोऑपरेशन के माध्यम से लंबी अवधि के लिए कर्ज भी दिया बदले में चीन ने अपने हितों को प्राथमिकता दी, वहां के बाजार इसका प्रमाण हैं।

चीन आज दुनिया में छोटी छोटी वस्तुओं से लेकर बड़ी मशीनरी, कैमिकल्स सहित अनेक क्षेत्रों के लिए मुख्य आपूर्तिकर्ता बना हुआ है। भारत में भी एस.ई.जैड. की स्थापना का कार्य वर्ष 2005 के बाद विदेश निवेश कानून बनने के बाद चर्चा में आया था। आज देश में 359 एस.ई.जैड. पर कार्य चल रहा है और 425 को मंजूरी दी जा चुकी है। इसमें आधे से ज्यादा को मंजूरी 2005 के बाद प्राप्त हुई है।

आज जब पश्चिम के देश चीन द्वारा कथित तौर पर की जा रही कमर्शियल एवं औद्योगिक जासूसी को लेकर चिंतित हैं और इस पर न केवल अब खुल कर बोल रहे हैं बल्कि चर्चा कर रहे हैं। ऐसे में भारत को निर्माण और निवेश के विषय को और ज्यादा गंभीरता से लेते हुए अपनी उत्पादन क्षमता को बढ़ाने पर जोर देना होगा। चीन का आबादी में मुकाबला भारत के साथ है लेकिन इससे बड़ा और असली मुकाबला उत्पादन और खपत के बाजार में दुनिया के लिए महत्वपूर्ण देश कौन होगा, इसको लेकर भी है। भारत के लिए यह अवसर ऐसा अवसर है जिसे गंवाने का जोखिम नहीं लिया जा सकता।

30वां सरताज जूनियर बैडमिंटन प्रशिक्षण शिविर तीसरा चरण 31 मई से

इंदौर। सरताज अकादमी द्वारा 30वें सरताज जूनियर बैडमिंटन प्रशिक्षण शिविर का तीसरा चरण नारायण बाग बाल विकास केंद्र बैडमिंटन हॉल में इंदौर गौरव दिवस 31 मई से आयोजित किया गया है। सरताज अकादमी प्रबंध निदेशक और प्रशिक्षक धर्मेश यशलहा ने बताया कि शिविर में 6 से 18 साल आयु तक के बालक और बालिका हिस्सा ले सकते हैं। तीन चरणों में लगने वाले ग्रीष्मकालीन शिविर का यह तीसरा और अंतिम चरण है। शिविर के आधार पर सालभर नियमित अभ्यास करने वाले खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा। शिविर में प्रतिदिन प्रेक्षा ध्यान और योग भी कराया जाएगा। शिविर में प्रवेश के लिए प्रशिक्षक धर्मेश यशलहा से शाम 6 से 8 बजे तक नारायण बाग बाल विकास केंद्र बैडमिंटन हाल में सम्पर्क किया जा सकता है। सरताज अकादमी, इस साल अहिल्या बाई होल्कर के त्रिशताब्दी जयंती वर्ष उपलक्ष्य में आयोजन भी करेगी।

इंदौर में बढ़ते अपराधों के खिलाफ सर्वधर्म समिति ने दिया पुलिस कमिश्नर को ज्ञापन

इंदौर। शहर में हत्या एवं हत्या के प्रयास, डकैती, बलात्कार जैसे संगीन अपराध लगातार बढ़ रहे हैं जिससे इंदौर नगर बदनाम हो रहा है। आदतन अपराधियों की गुंडागर्दी चरम सीमा पर है इसके प्रति पुलिस ने चुप्पी साध रखी है। इंदौर में आम नागरिक, व्यापारी एवं महिलाएं गुंडों के आतंक से परेशान है। इन सभी समस्याओं को लेकर सर्वधर्म अध्यक्षङ्कमंजूर बेग के मार्गदर्शन में इंदौर पुलिस कमिश्नर राकेश गुप्ता को एक ज्ञापन प्रस्तुत किया जिसमें मांग की गई है कि शीघ्र ही पुलिस कानूनी कार्रवाई करे। आदतन अपराधी एवं नशे के व्यापार करने वालों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए। इंदौर क्षेत्र में जहां खुलेआम नशे का व्यापार होता है इसका सभी जगह की पुलिस को अनुमान है उसके बावजूद भी कार्रवाई नहीं होना निंदा का विषय है। ज्ञापन में मुख्य रूप से मंजूर बैग, रियाज खान, धर्मेंद्र पेमाल, आशीष राय एवं अन्य लोग भी उपस्थित रहे।

मोदी जी की सरकार ने कुछ नहीं किया। जिसने अत्याचार किया, मोदी जी उसके साथ खड़े रहे। प्रधानमंत्री ये सोच रहे हैं कि इस देश की सभी महिलाएं बेवकूफ हैं। मैं इन्हें कुछ ही कहूंगा, ये मान लेंगी।
प्रियंका गांधी वाड्रा, कांग्रेस नेता

आज का कार्टून

प्रतिस्पर्धात्मक दुनिया में तनाव प्रबंधन : एक आवश्यक कौशल

प्रो. अर्चना पाण्डेय (मोर्डन ग्रुप ऑफ़ इंस्टिट्यूट)

आज के समय में जब प्रतिस्पर्धा अपने चरम पर है, तनाव एक आम समस्या बन गई है। हर व्यक्ति अपनी व्यक्तिगत और पेशेवर जिंदगी में सफल होने की दौड़ में लगा हुआ है। इस दौड़ में अक्सर लोग मानसिक और शारीरिक तनाव का सामना करते हैं। तनाव न केवल हमारे मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, बल्कि यह हमारे शारीरिक स्वास्थ्य पर भी गंभीर प्रभाव डाल सकता है। इसलिए, तनाव प्रबंधन आज के समय की एक महत्वपूर्ण आवश्यकता बन गई है।

प्रतिस्पर्धात्मक दुनिया में कई कारणों से तनाव हो सकता है। काम का दबाव, परीक्षा की तैयारी, करियर की चिंता, पारिवारिक समस्याएं और व्यक्तिगत अपेक्षाएं प्रमुख कारण हैं। इसके अलावा, सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफार्मों पर लगातार सक्रिय रहने का दबाव भी तनाव बढ़ा सकता है। तनाव के प्रभाव लंबे समय तक बने रह सकते हैं और यह न केवल मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, बल्कि उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, मोटापा और मधुमेह जैसी समस्याओं का कारण भी बन सकता है। मानसिक स्वास्थ्य के मामले में, तनाव चिंता, अवसाद और नींद न आने जैसी समस्याओं का कारण बन सकता है। तनाव प्रबंधन के कई तरीके हैं जो हमें स्वस्थ और संतुलित जीवन जीने में मदद कर सकते हैं। योग और ध्यान हमारे मन और शरीर को शांति प्रदान करने के लिए बेहतरीन उपाय हैं। यह मानसिक तनाव को कम करता है और हमें आंतरिक शांति की ओर ले जाता है। नियमित व्यायाम भी शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है। यह तनाव को कम करता है और शरीर में खुश रहने वाले हार्मोन्स को बढ़ाता है। समय का सही प्रबंधन तनाव को काफी हद तक कम कर सकता है। अपने काम को प्राथमिकता के आधार पर विभाजित करना और एक समय सारणी का पालन करना महत्वपूर्ण है। संतुलित आहार और पर्याप्त जल का सेवन हमारे शरीर और मन को स्वस्थ रखने में मदद करता है। लगातार काम करने से बचें और बीच-बीच में छोटे ब्रेक लें। यह आपको पुनः ऊर्जावान महसूस करने में मदद करेगा। सकारात्मक सोच तनाव को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। समस्याओं के बजाय समाधानों पर ध्यान दें और आत्म-विश्वास बनाए रखें। दोस्तों, परिवार और पेशेवर सलाहकारों से समर्थन प्राप्त करना भी तनाव प्रबंधन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। प्रतिस्पर्धात्मक दुनिया में तनाव से बचना मुश्किल है, लेकिन सही तनाव प्रबंधन तकनीकों को अपनाकर हम इसे नियंत्रित कर सकते हैं। मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए योग, ध्यान, समय प्रबंधन और सकारात्मक सोच जैसी तकनीकों का नियमित अभ्यास करें। स्वस्थ जीवन शैली अपनाएं और जीवन के हर पहलू में संतुलन बनाएं। तनाव को नियंत्रित कर हम एक स्वस्थ, सुखी और सफल जीवन जी सकते हैं।

नाटक विधा के लिए स्वयं प्रकाश स्मृति सम्मान की प्रविष्टियां आमंत्रित

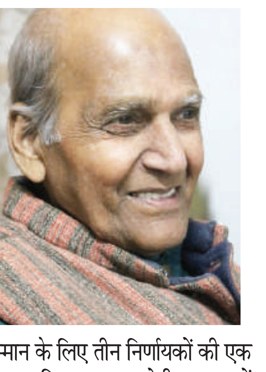

इंदौर। साहित्य और संस्कृति के क्षेत्र में कार्यरत संस्थान 'स्वयं प्रकाश न्यास' ने सुप्रसिद्ध साहित्यकार स्वयं प्रकाश की स्मृति में दिए जाने वाले वार्षिक सम्मान के लिए प्रविष्टियां आमंत्रित की हैं। न्यास द्वारा जारी विज्ञप्ति में बताया गया कि राष्ट्रीय स्तर के इस सम्मान में क्रमशः कहानी, उपन्यास और नाटक विधा की किसी ऐसी कृति को दिया जाएगा, जो सम्मान के वर्ष से अधिकतम छह वर्ष पूर्व प्रकाशित हुई हो। 2024 के सम्मान के लिए 1 जनवरी 2020 से 31 दिसंबर 2023 के मध्य प्रकाशित पुस्तकों पर विचार किया जाएगा। इस वर्ष यह सम्मान नाटक विधा को दिया जाएगा। कृतिकार की आयु सीमा 50 वर्ष रखी गई है। सम्मान के लिए तीन निर्णायकों की एक समिति बनाई गई है जो प्राप्त प्रस्तावों पर विचार कर किसी एक कृति का चुनाव करेगी। सम्मान में ग्यारह हजार रुपये, प्रशस्ति पत्र और शॉल भेंट किये जाएंगे। न्यास द्वारा बताया गया कि मूलतः राजस्थान के अजमेर निवासी स्वयं प्रकाश हिंदी कथा साहित्य के क्षेत्र में मौलिक योगदान के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने ढाई सौ के आसपास कहानियाँ लिखीं और उनके पांच उपन्यास भी प्रकाशित हुए थे। इनके अतिरिक्त नाटक, रेखाचित्र, संस्मरण, निबंध और बाल साहित्य में भी अपने अवदान के लिए स्वयं प्रकाश को हिंदी संसार में जाना जाता है। उन्हें भारत सरकार की साहित्य अकादेमी सहित देश भर की विभिन्न अकादमियों और संस्थाओं से अनेक पुरस्कार और सम्मान मिले थे। उनके लेखन पर अनेक विश्वविद्यालयों में शोध कार्य हुआ है तथा उनके साहित्य के मूल्यांकन की दृष्टि से अनेक पत्रिकाओं ने विशेषांक भी प्रकाशित किए हैं। 20 जनवरी 1947 को जन्मे स्वयं प्रकाश का निधन कैंसर के कारण 7 दिसम्बर 2019 को हो गया था। बनास जन के सम्पादक और युवा आलोचक डॉ पल्लव को स्वयं प्रकाश स्मृति सम्मान का संयोजक बनाया गया है, वे इस सम्मान से सम्बंधित समस्त कार्यवाही का संयोजन करेंगे। सम्मान के लिए प्रविष्टियाँ डॉ पल्लव को 15 अगस्त 2024 तक बनास जन के पते (393, डीडीए, ब्लॉक सी एंड डी, शालीमार बाग़, दिल्ली - 110088) पर भिजवाई जा सकेगी। साहित्य और लोकतान्त्रिक विचारों के प्रचार-प्रसार के लिए गठित स्वयं प्रकाश स्मृति न्यास में कवि राजेश जोशी (भोपाल), आलोचक दुर्गाप्रसाद अग्रवाल (जयपुर). कवि-आलोचक आशीष त्रिपाठी (बनारस), आलोचक पल्लव (दिल्ली), इंजी. अंकिता सावंत (मुंबई) और अपूर्वा माथुर (दिल्ली) सदस्य हैं।

मां बिरासिनी सेवा समिति द्वारा निशुल्क ठंडा पानी की सेवा बिरसिंहपुर पाली रेलवे स्टेशन में निरंतर जारी

बिरसिंहपुर। भीषण गर्मी में तपती ट्रेन में सफर करने वाले यात्रियों को अत्यधिक परेशानियों भरा सफर पूर्ण करना पड़ रहा है। ऐसे में बिरसिंहपुर पाली जिला उमरिया के रेलवे स्टेशन के प्रत्येक प्लेटफार्म में 50-50 मटके रखकर मां बिरासिनी सेवा समिति द्वारा जल सेवा का संचालन किया जा रहा है जिसमें सभी सेवादार समय-समय में अपनी सेवा देने के लिए आते हैं। मां बिरासिनी सेवा समिति के सेवादार शारदा अग्रवाल, राम लालवानी, विमल अग्रवाल एवं अन्य सदस्य प्रतिदिन 50ङ्क50 ? मिलाकर सेवा में खर्च होने वाले व्यय का निर्वहन करते हैं और लगातार अपनी सेवा प्रत्येक ट्रेन के समय पर अपनी सेवा दे रहे हैं। इस बढ़ती हुई गर्मी में मां बिरासिनी सेवा समिति का न यह केवल उद्देश्य है, बल्कि दृढ़ संकल्प है कि माता बिरासिनी की नगरी से निकलने वाला प्रत्येक यात्री प्यासा न जाए। प्रातः सुबह 6-00 से रात 12-00 तक निशुल्क सेवा दी जाती है जहां 150 मटको में शुद्ध पानी भरा जाता है। प्रत्येक यात्री ठंडा जल पाकर मातारानी की नगरी को धन्यवाद ज्ञापित करते हैं। माँ बिरासिनी सेवा समिति ने नगरवासियों से अपील भी की है जो भी मातारानी का भक्त इस जल सेवाकार्य में अपनी सेवा देना चाहते हैं वह समिति में संपर्क कर सकते हैं।

निर्दलीय प्रत्याशी के एजेंट बनकर स्टेडियम में जायेंगे कांग्रेसी

मतगणना में जाने के लिए जुगाड जमाने में लगे कांग्रेसी

इंदौर। कांग्रेसी अपने प्रत्याशी के बिना ही निर्दलीय उम्मीदवारों के मतगणना एजेंट के रूप में स्टेडियम में जाने की जुगाड़ जमा रहे हैं। इसको लेकर अब कांग्रेस के एजेंटों को भी ट्रेनिंग दी जाना है, जो भोपाल में होगी और फिर वहां से ट्रेनिंग लेने के बाद लोकसभा स्तर पर ट्रेनिंग दी जाएगी । इंदौर में कांग्रेस का कोई प्रत्याशी नहीं है, लेकिन कांग्रेस ने कुछ मतदान केन्द्रों पर नोटा के लिए निर्दलीय उम्मीदवारों के एजेंट के रूप में अपने कार्यकर्ताओं को बिठाया था । अब मतगणना के दौरान भी कांग्रेस निर्दलीय उम्मीदवारों के एजेंट के रूप में अपने कार्यकर्ताओं को नेहरू स्टेडियम के अंदर भेजने की तैयारी कर रही है, ताकि वहां वोटों की गिनती पर नजर रखी जा सके। नोटा के वोट को लेकर सभी में जिज्ञासा बनी हुई है कि इंदौर में कितने लोगों ने इसका प्रयोग किया और कांग्रेस की अपील कहां तक कारगर साबित हुई है। वैसे शुरुआती राउंड से ही रूझान दिखना शुरू हो जाएगा और दोपहर तक तो काफी हद तक स्थिति स्पष्ट हो जाएगी। दूसरी ओर कांग्रेस ने बची 27 सीटों पर अपने एजेंटों को ट्रेनिंग देने के लिए भोपाल में व्यवस्था की है। वहां वोटों की गिनती पर किस तरह से बारीकी से नजर रखी जाए, इसको लेकर वरिष्ठ नेता एक कार्यशाला में कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन देंगे। वहां से फिर कार्यकर्ता अपने-अपने क्षेत्रों में जाकर मतगणना एजेंटों को वे बारीकियां सिखाएंगे, ताकि मतगणना में होने वाली किसी भी गड़बड़ पर आपत्ति ली जा सके।

जैव विविधता की आस में मधुमक्खियों का विश्वास

डॉ. दिलीप वाघेला

खेती में रासायनिक उर्वरक एवं कीटनाशकों के दुष्प्रभाव पर जन चेतना का निरंतर विकास हो रहा है। रसायनों के उपयोग से कृषि भूमि, वैश्विक पर्यावरण और मानव सहित प्राणी जगत भी प्रभावित हो रहा है। यह सर्व विदित तथ्य है कि मधुमक्खियां किसान मित्र कीट है। इनके द्वारा फैलाए गए परागकण किसान की उपज में वृद्धि का कारक बनते हैं। शहद तो बोनस होता है लेकिन प्राकृतिक रूप से मधुमक्खियों को अपनी बस्ती (छत्ता) बनाने में तब परेशानी होती है, जब खेतों में रसायनों का उपयोग होता है। मधुमक्खियां ऐसे प्रतिकूल पर्यावरण से दूरी बना लेती हैं।

विगत दिनों मुझे एक अद्भुत दृश्य देखने को मिला। एक खेत में बांस के पौधे के पतले तने को आधार बनाकर मधुमक्खियों ने धरातल के समीप अपनी कॉलोनी विकसित कर ली। अमूमन मधुमक्खियों के छत्ते ऊंचे वृक्षों, पुलों की छतों पर होते हैं, जहां किसी भी प्राणी की पहुंच ना हो सके लेकिन यहां इस खेत में इंसानी चहल-पहल के बीच छोटी मधुमक्खी के इस आवास ने मुझे चोंका दिया। आखिर किसके भरोसे मधुमक्खियों ने एक असुरक्षित पौधे पर, जमीन के समीप कॉलोनी बनाने का निर्णय लिया होगा? मधुमक्खियों में पर्यावरण अनुकूल आभास के अलावा इस विश्वास का दूसरा कारण समझ में नहीं आता। यह खेत है इंदौर जिले में नेमावर रोड के नजदीक ग्राम असरावद बुजुर्ग में, जहां रेल सेवा से निवृत राजेंद्र सिंह उनकी धर्मपत्नी श्रीमती चंचल कौर और बालक गुरबख्श सिंह जैविक खेती में नवाचार के प्रयोग से नित नए परिणामों की खोज में लगे रहते हैं। इस परिवार के खेत और उसकी फसल पर मधुमक्खियों ने जो भरोसा जताया वह उस खेत की फसल के जैविक और पर्यावरण अनुकूल होने का जीवंत प्रमाण है, जिस पर किसी सरकारी, गैर सरकारी प्रयोगशाला का ठप्पा लगवाने की जरूरत नहीं है।

राजेंद्र सिंह परिवार के खेत में जैव विविधता के अनेक जीवंत प्रमाण मौजूद हैं। यहां लौकी, कद्दू, गिलकी, भिंडी, चंवला फली, ककड़ी, खीरा, खरबूज, केले, गन्ना, बांस आदि को फलता-फूलता देखना एक अलौकिक अनुभव था। खेत में केवल मधुमक्खियां ही नहीं, रंग-बिरंगी तितलियां भी स्वच्छंद विचरण कर रही थीं क्योंकि उन्हें भी भरोसा हो चुका था कि जहां से भी वे मकरंद चूसेगी, वह रसायन युक्त व जानलेवा कदापि नहीं होगा। प्राकृतिक वातावरण में खेती की जमीन में सहज ही आवास बना रहे केंचुए भी सहजीवन का ही उदाहरण हैं। इस जैविक खेती के श्रेय का भागीदार तोताराम और उसकी धर्मपत्नी सपना का परिवार भी है, जो दिन-रात मेहनत कर जहर मुक्त सब्जियां उगाते हैं और स्वयं के साथ प्राणी जगत की रक्षा भी कर रहे हैं।

आपकी शिकायत/समस्याओं में
आपका साथी
दैनिक सद्भावना पाती
शिकायत / पत्र संपादक के नाम
आप किसी समस्या, शिकायत, मुद्दे, जानकारी, गड़बड़ी, भ्रष्टाचार, नियम विरुद्ध काम आदि की शिकायत संपादक के नाम व्हाट्सएप पर भेज सकते हैं।
सर्वप्रथम आप अपने मोबाइल में सीएम हेल्पलाइन 181 एप डाउनलोड करें
और उस पर शिकायत उपरांत हमे उसका स्क्रीन शॉट और फोटो भेजें।
हम उस शिकायत को दैनिक सद्भावना पाती में प्रकाशित करेंगे और आपकी समस्या/शिकायत को शीघ्र खत्म करने का प्रयास करेंगे।
केवल व्हाट्स एपकरें, कॉल न करें।
व्हाट्स ऐप न. 9685611304
ईमेल आईडी- reporter.spnews@gmail.com
नोट :- जनहित की समस्याओं पर उचित ईनाम भी दिया जाएगा।

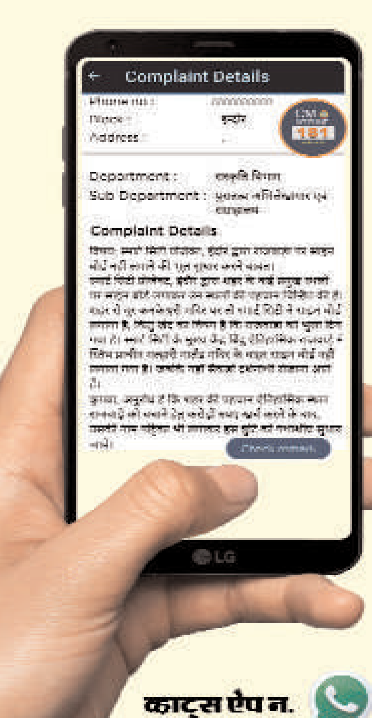

संक्षिप्त समाचार

एलन मस्क को मिलेगा अमेरिका का सबसे बड़ा पे पैकेज!

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया का सबसे वैल्यूएबल ऑटो कंपनी टेस्ला के सीईओ एलन मस्क को अमेरिका का कॉरपोरेट इतिहास का सबसे बड़ा पे पैकेज मिलने जा रहा है। टेस्ला के बोर्ड ने मस्क के लिए 56 अरब डॉलर का पे पैकेज देने का प्रस्ताव रखा है। इसके लिए कंपनी के शेयरहोल्डर्स से मंजूरी मांगी गई है। लेकिन प्रॉक्सी एडवाइजरी फर्म Glass Lewis ने टेस्ला के शेयरहोल्डर्स से इस प्रस्ताव को रिजेक्ट करने की अपील की है। फर्म का कहना है कि मस्क को दिए जाने वाला पैकेज बहुत बड़ा है और इसका कंपनी पर दूरगामी असर होगा। कंपनी के बोर्ड को मस्क का करीबी माना जाता है। इसलिए माना जा रहा है कि इस पैकेज से कंपनी पर मस्क की पकड़ और मजबूत होगी। मस्क के लिए जो पैकेज प्रपोज किया गया गई है, उसमें कोई सैलरी या कैश बोनस नहीं है। इसमें टेस्ला के मार्केट वैल्यू के आधार पर मस्क को रिवॉर्ड्स दिया जाएगा। अभी कंपनी का मार्केट कैप 571.63 अरब डॉलर है। टेस्ला बोर्ड के चेयरमैन रॉबिन डेनहम ने पिछले महीने एक इंटरव्यू में कहा था कि मस्क इस पे पैकेज के हकदार हैं क्योंकि कंपनी ने रेवेन्यू और स्टॉक प्राइस के मोर्चे पर टारगेट हासिल किया है। मस्क 2008 में टेस्ला के सीईओ बने थे। हाल के वर्षों में कंपनी के रिजल्ट में काफी सुधार आया है। 2018 में कंपनी को 2.2 अरब डॉलर का नुकसान हुआ था जबकि पिछले साल उसे 15 अरब डॉलर का प्रॉफिट हुआ। प्रॉक्सी एडवाइजर ने साथ ही शेयरहोल्डर्स से एलन मस्क के भाई किंबल मस्क को फिर से बोर्ड में सेलेक्शन का विरोध करने की अपील की है।दक्षिण अफ्रीका में जन्मे और पेशे से इंजीनियर मस्क कई कंपनियां चलाते हैं। इनमें टेस्ला के अलावा माइक्रोब्लॉगिंग साइट एक्स और स्पेसएक्स भी शामिल हैं। ब्लूमबर्ग बिलिनयेर इंडेक्स के मुताबिक मस्क की नेटवर्थ 191 अरब डॉलर है और वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में बर्नार्ड अरनॉल्ट (211 अरब डॉलर) और जेफ बेजोस (203 अरब डॉलर) के बाद तीसरे नंबर पर हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ में 38.6 अरब डॉलर की गिरावट आई है। टेस्ला दुनिया की 14वीं सबसे मूल्यवान कंपनी है।

रेल कंपनी के शेयरों ने बना डाला नया रिकॉर्ड, कंपनी को मिला है मेट्रो का काम

नई दिल्ली, एजेंसी। रेल कंपनी रेल विकास निगम लिमिटेड के शेयरों ने नया रिकॉर्ड बना डाला है। रेल विकास निगम लिमिटेड के शेयर सोमवार को 6 पर्सेंट से अधिक के उछाल के साथ 399.70 रुपये पर पहुंच गए हैं। रेल विकास निगम के शेयर अपने लाइफ टाइम हाई पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयरों में यह उछाल एक बड़ा प्रोजेक्ट मिलने की वजह से आया है। रेल विकास निगम लिमिटेड महाराष्ट्र मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के एक प्रोजेक्ट के लिए सबसे कम बोली लगाने वाली कंपनी के रूप में उभरी है। रेल विकास निगम लिमिटेड ने एक कंपनी रिलीज में बताया है कि वह महाराष्ट्र मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (नागपुर मेट्रो) के एक प्रोजेक्ट के लिए सबसे कम बोली लगाने वाली कंपनी के रूप में उभरी है। इस प्रोजेक्ट में रेल विकास निगम को 6 एलवेटिड मेट्रो स्टेशनों का कंस्ट्रक्शन करना है। इन स्टेशनों में कैन्टान्मेंट, कैम्पटी पुलिस स्टेशन, कैम्पटी म्यूनिसिपल काउंसिल, ड्रैगन पैलेस, गोल्फ क्लब और कन्हन रिवर मेट्रो स्टेशन शामिल हैं।

डीएवीवी में सिक्योरिटी कंपनी का बड़ा घोटाला : नौकरी छोड़ चुके कर्मचारी के नाम से कई महीनों तक लेते रहे पैसा

- 2021 में छोड़ी नौकरी, 2022 तक लेते रहे सेलरी
- रजिस्ट्रार को 11 माह पहले शिकायत की, अभी तक कोई कार्रवाई नहीं
- शिकायतकर्ता ने मिलीभगत का आरोप लगाते हुए ईओडब्ल्यू में भी शिकायत की
- कर्मचारी ने शपथ पत्र देकर नौकरी छोड़ने का हवाला दिया

विनय वर्मा

इंदौर। इंदौर का देवी अहिल्या विश्वविद्यालय गड़बड़ियों और घोटालों का विश्व विद्यालय बनता जा रहा है। 2021 में नौकरी छोड़ चुके गार्ड के नाम से मई 2022 तक सेलरी लेते रहे। बकायदा इसकी उपस्थिति डीएवीवी के हाजिरी रजिस्टर में दर्ज है। शिकायतकर्ता ने विश्वविद्यालय के अधिकारियों पर कम्पनी से मिलीभगत के आरोप लगाए है। पिछले कई सालों से कृष्णा सिक्योरिटी एवं लेबर सप्लाई कंपनी देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में गार्ड नियुक्त कर रही है। कंपनी पर आरोप है कि वह गार्ड की संख्या में हेरफेर कर लाखों रूपयों का घपला कर रही है। इसकी शिकायत जावेद खान ने 11 माह पहले विश्वविद्यालय के अधिकारियों को मय प्रमाण की है लेकिन अधिकारियों के कान पर जूं तक नहीं रेंग रही है। 11 माह बाद भी कंपनी पर क्यों कार्रवाई नहीं की गई है। अब जावेद खान ने इसकी शिकायत ईओडब्ल्यू में की है। कृष्णा सिक्योरिटी कंपनी ने रमेश रावत को गार्ड की नोकरी पर रखा था जिसने 2021 में नौकरी छोड़ दी थी और अपने गांव चला गया था मगर कंपनी ने अधिकारियों से सांठगांठ कर उसके नाम पर फर्जी तरीके हाजिरी लगवा कर 2022 मई तक देवी अहिल्या विश्वविद्यालय से सेलरी ली। इसकी शिकायत मय प्रमाण की गई लेकिन आज दिनांक तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

कर्मचारी ने शपथ पत्र देकर हवाला दिया

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में गार्ड की नौकरी कर रहा गार्ड रमेश पिता हाबू रावत ने नवंबर 2021 में नौकरी छी दी थी और उसके बाद बड़वानी की एक कंपनी में सरकारी गार्ड के तौर पर नौकरी कर रहा है लेकिन कृष्णा कंपनी ने डीएवीवी में उसके नाम से मई 2022 तक सेलरी ली लेकिन शिकायत के बाद भी उक्त कंपनी पर कार्रवाई करने के बजाए कंपनी का समय समाप्त कर उसको 6 माह का एक्सटेंशन भी दे दिया।

डीएवीवी के समस्त विभागों और हॉस्टल में लगते हैं गार्ड

कृष्णा कंपनी डीएवीवी के आरएनटी मार्ग, तक्षशीला परिसर, आईटी विभाग, हॉस्टल इत्यादि सभी विभाग में गार्ड लगाती है। कंपनी इस हिसाब से लगभग 170 से 180 गार्ड का पैसा डीएवीवी से लेती है लेकिन शिकायतकर्ता का आरोप है पूरे विश्वविद्यालय में कम गार्ड लगाए जाते हैं।

इनका कहना है

उक्त कंपनी की शिकायत मिली है। कंपनी भोपाल की है। हमने कृष्णा सिक्योरिटी कम्पनी से स्पष्टीकरण मांगा है। इसके लिए कंपनी को पत्र लिखा है जवाब मिलने पर आगे की कार्रवाई करेंगे

अजय वर्मा, रजिस्ट्रार, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर

एमबीए का प्रश्नपत्र आउट होने को लेकर एबीवीपी का विरोध प्रदर्षन

सदभावना पाती संवाददाता

इंदौर। एमबीए प्रथम सेमेस्टर के एक विषय का प्रश्नपत्र आउट होने के मामले को लेकर छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद यानि एबीवीपी ने विरोध प्रदर्षन किया। एबीवीपी ने मांग की है कि पूरे मामले की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की जाए। साथ ही आउट ऑफ सिलेबस और गलत डेटा के साथ आए प्रश्नों के लिए छात्रों को पूरे नंबर दिए जाएं।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने एमबीए प्रथम सेमेस्टर के क्वांटिटेटिव टेक्निक विषय में प्रश्नपत्र आउट होने की शिकायत दर्ज कराई है। इसे लेकर एबीवीपी कार्यकर्ताओ ने डीएवीवी प्रशासनिक संकुल में विरोध प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने यहां जमकर नारेबाजी की। एबीवीपी के अनुसार एमबीए प्रथम सेमेस्टर क्वांटिटेटिव टेक्निक विषय का पेपर एक दिन पूर्व ही सोशल मीडिया पर आउट हो गया था। इसके अलावा पेपर में 2 प्रश्न आउट ऑफ सिलेबस आए थे जबकि एक प्रश्न में डेटा गलत प्रकाशित हुआ था। इन तीन प्रश्नों के कुल 48 अंक थे।

एबीवीपी ने पेपर आउट के मामले की जांच करने, प्रश्न पत्र बनाने वाले प्रोफेसर पर कार्रवाई करने और छात्र हित में गलत प्रश्नों के पूरे अंक छात्रों को देने की मांग की है।

इधर इस मामले पर डीएवीवी ने तुरंत संज्ञान लिया है और पूरे मामले को परीक्षा कमेटी के सामने रखने का निर्णय लिया है। साथ ही कहा है कि जल्द ही इस संदर्भ में निर्णय लिया जाएगा। इस दौरान कैंपस में बड़ी संख्या में पुलिस बल मौजूद था।

एबीवीपी द्वारा हमें ज्ञापन के माध्यम से शिकायत मिली है दो प्रश्न आउट ऑफ सिलेबस के बताए जा रहे है हम इस मामले को परीक्षा समिति के सामने रखेंगे और जल्द ही इसका निराकरण करेंगे। इसमें छात्रों के हितों को ध्यान में रखकर ही निष्कर्ष निकालेंगे। छात्रों का किसी भी प्रकार से नुकसान नहीं होने देंगे। पेपर आउट के मामले में हमने प्रमाण मांगे है अगर प्रमाण मिलते है तो कार्रवाई करेंगे।

रचना ठाकुर, डिप्टी रजिस्ट्रार, डीएवीवी इंदौर

IGNOU, ICMAI launch Diploma in Agricultural Cost Management

Indira Gandhi National Open University (IGNOU) School of Agriculture has launched a new educational programme Diploma in Agricultural Cost Management(DACM) in collaboration with the Institute of Cost Accountants of India (ICMAI). The programme covers farm accounting and costing, agri supply chain management, prudent utilization of land, water management, and other associated farming activities.

The programme aims to educate and train learners to efficiently manage farm costs, enhance agricultural productivity and provide insight into various activities including strategic decision-making related to different aspects of agricultural production, crop cultivation, livestock rearing, financial planning, resource allocation, marketing, and risk mitigation. The programme's major objectives include optimal resource utilisation, proficiency in knowledge, skills, and entrepreneurial capabilities towards farm cost management, value chain, and supply chain management.

Diploma in Agricultural Cost Management programme offers a comprehensive range of courses in agriculture, catering to the diverse needs of students and professionals in the field. These cover various aspects of agricultural management and entrepreneurship, providing valuable insights and skills to individuals interested in agricultural development.

About the Programme

- Basics of Agriculture provides a foundational understanding of agricultural principles and practices.
- Institutional Support for Agricultural Development delves into the various organizations and institutions involved in supporting agricultural growth and development.
- The cost concepts and techniques equips learners with essential knowledge and techniques related to cost management in agriculture.
- Farm Cost Management focuses specifically on managing costs within farm operations to enhance efficiency and profitability.
- Agripreneurship explores the entrepreneurial aspects of agriculture, empowering students to create and manage agricultural ventures.
- Managing Farmers Producers Organizations addresses the management and organizational aspects of farmers' groups, emphasizing effective leadership and coordination for collective benefit.

Tamil Nadu Govt issued advisory to youth seeking overseas jobs amid employment scams

The Tamil Nadu government has issued an advisory urging youth seeking employment abroad, particularly in Southeast Asian countries, to thoroughly verify the credentials of recruitment agents and companies before applying. This advisory follows the recent rescue of 83 Tamil youths from Cambodia, Thailand, and Myanmar. These individuals had travelled on tourist visas under the guise of IT sector jobs but were coerced into illegal online activities.

Reports have emerged of Indian nationals being deceived by unregistered agents promising high-paying jobs in Laos. According to the Non-Resident Tamil Welfare Department, these candidates were illegally transported across the border from Thailand into Laos, where they were held captive and forced to work under harsh and restrictive conditions. Many

were subjected to physical and mental torture by criminal syndicates. The government highlighted that Visa on Arrival in Thailand or Laos for Indian nationals does not permit employment, emphasising that tourist visas are strictly for tourism. The advisory noted that those convicted of human trafficking in Laos face severe penalties, with sentences up to 18 years in prison. The Tamil Nadu government strongly advised individuals to avoid falling prey to fraudulent job offers and employment scams. It stressed the importance of verifying recruitment agents and companies before travelling abroad.

IIT Mandi launched 5-year Integrated MBA programme

Indian Institute of Technology (IIT), Mandi launched a five-year Integrated MBA (BBA Analytics Honors and MBA DS and AI) programme. The programme is offered by the School of Management, and IIT Mandi claims to be the first IIT to introduce this course.

This course is designed to equip students with a comprehensive understanding of management along with skills in analytics, data science, mathematics, and statistics, through a carefully curated curriculum. Overall, the programme at IIT Mandi aims to nurture future business leaders who possess a strong appreciation for technology and cross-functional management capabilities. During the initial years, this programme at IIT Mandi sharpens students' critical thinking and creative abilities through foundational courses in management, analytics, mathematics, statistics, communication and personality development. In the later years, the programme offers several specialised courses that equip students with the skills required to apply technology across the functional areas of management.

The programme offers students a distinct chance to obtain a master's degree in management right after 10+2 from a top-tier institute in the country. With industrial internships, training, and exposure to diverse business environments, the programme aims to nurture socially aware future business leaders with a strong appreciation for technology and human values. Students will also undertake two industry internships, one of which will be of six months duration, ensuring substantial exposure to the business world.

Another unique offering allows students to explore entrepreneurship as a career choice by facilitating access to the incubation center of IIT Mandi. This programme provides an avenue for young aspirants to pursue a management programme immediately after 10+2.

Multiple exit options

– After successful completion of three years, upon exit, the candidate would be awarded a BBA Analytics degree.

– After successful completion of four years, upon exit, the candidate would be awarded a BBA Analytics (Honors) degree.

– After successful completion of the full 5-years of IMBA programme, the students shall be awarded two separate degrees i.e. BBA Analytics (Honors) (under the IMBA), and MBA DS and AI (under the IMBA).

"As a premier technology institution, IIT Mandi has been diligently assessing the industry's requirements. With the growing dependence on data for making business decisions to gain competitive advantage, organizations are increasingly utilizing technological tools from the domain of data science and artificial intelligence. This has resulted in an increased demand for business leaders who possess a thorough understanding and skills to effectively use these technologies within the business environment. The MBA program in Data Science and Artificial Intelligence was introduced in 2022 to cater to this demand of the industry. This year, we have taken a step forward by introducing this five-year IMBA programme," said IIT Mandi, Director, Prof. Laxmidhar Behera.

NTA is expected to release the NEET UG 2024 answer keys soon

The National Testing Agency (NTA) is expected to release the provisional answer key for the National Eligibility Cum Entrance Test, Undergraduate (NEET-UG) 2024 anytime soon. Held on May 5, 2024, from 2 pm to 5:20 pm, the NEET-UG 2024 accommodated over 24 lakh candidates in 557 cities across India and 14 international locations. As per the official information bulletin, the results are expected to be announced on June 14, 2024. However, the NTA has not officially confirmed the expected release date for either the answer key or the results. Candidates can access the results on the official website of NTA, exams.nta.ac.in/NEET. The NEET UG 2024 answer key can be challenged with a non-refundable fee of Rs 200 within the stipulated time. A total of 23,81,833 students have registered for NEET UG 2024.

In 2023, NEET UG results were announced on June 13. In that year, approximately 11,84,513 female candidates and 9,02,936 male candidates registered for the NEET UG exam. Of these, 11,56,618 female candidates and 8,81,967 male candidates appeared for the examination. According to official data, 6,55,599 female candidates and 4,90,374 male candidates qualified.

इन चीजों की मदद से करें अपने हैंडबैग की सफाई

ज्यादातर महिलाएं अपने लंच बॉक्स से लेकर खाने की छोटी चीजें भी पर्स में रखती हैं। ऐसे में पर्स काफी ज्यादा गंदा हो जाता है। अगर आपका भी हैंडबैग महंगा है और काफी जल्दी गंदा हो गया है तो आपको कुछ आसान हैक्स की मदद से अपने हैंडबैग की सफाई करनी होगी। आज के इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे कि आप कैसे अपने हैंडबैग की मिनटों में सफाई कर सकती हैं।

फालतू कागजात हटा दें

हैंडबैग में रखा फालतू कागजात को आपको हटाना होगा। यह हैंडबैग को काफी ज्यादा गंदा करते हैं। इतना ही नहीं, इसके कारण आपके बैग में सामान रखने की भी जगह नहीं होती है। अगर हैंडबैग की सफाई करनी है तो इन चीजों को हटाना होगा।

ड्राई क्लीन करें

आप अपने हैंडबैग को समय- समय पर ड्राई क्लीन करते रहना चाहिए। इससे बैग क्लीन रहता है। ड्राई क्लीन करने के लिए बैग में रखा सारा सामान निकालना होगा और सूती कपड़ों की मदद से पूरे हैंडबैग की सफाई करनी होगी। ऐसा करने से आपका हैंडबैग साफ हो जाएगा।

टिफिन ध्यान से रखें

अगर आप अपने बैग में टिफिन रखती हैं तो टिफिन को किसी बैग में करके रखना चाहिए। इससे आपके बैंक में गेवी वाली चीजें नहीं गिरेगी। यह आपके महंगे हैंडबैग को खराब कर सकता है। हालांकि इस स्थिति में आपको अपने हैंडबैग को पानी की मदद से धोना होगा। बार- बार हैंडबैग को धोने से यह पुराना हो सकता है। ऐसे में आपको इन चीजों का खास ध्यान रखना है।

इन बातों का रखें ध्यान

- हैंडबैग की सफाई करते समय जल्दबाजी ना करें।
- हैंडबैग की सफाई के समय हार्ड ब्रश का इस्तेमाल ना करें।
- हैंडबैग की सफाई के समय डिटर्जेंट का इस्तेमाल ना करें।

इन चीजों से करें सफाई

- हैंडबैग की सफाई गुनगुना पानी से करें
- हैंडबैग की सफाई लिक्विड डिटर्जेंट से करें
- हैंडबैग की सफाई स्टीमर से करें

नकली शॉपिंग वेबसाइट को पहचानने के ये तरीके आप भी जानें बाद में नहीं होगा पछतावा

अगर आप भी ऑनलाइन शॉपिंग करना पसंद करती हैं तो आपको बता दें इन दिनों कई लोग बड़े- बड़े ब्रांड्स के नाम पर नकली शॉपिंग वेबसाइट बना देते हैं। ऐसे में आपको इन वेबसाइट से बचकर रहना चाहिए। अब आप सोच रहे होंगे आखिर नकली वेबसाइट के बारे में कैसे पता करें कि यह असली वेबसाइट है या नकली।

टेक्नोलॉजी के इस जमाने में लोग बाहर जाने से ज्यादा ऑनलाइन शॉपिंग करना ही पसंद करते हैं। अगर आप भी ऑनलाइन शॉपिंग करना पसंद करती हैं तो आपको बता दें इन दिनों कई लोग बड़े- बड़े ब्रांड्स के नाम पर नकली शॉपिंग वेबसाइट बना देते हैं। ऐसे में आपको इन वेबसाइट से बचकर रहना चाहिए। अब आप सोच रहे होंगे आखिर नकली वेबसाइट के बारे में कैसे पता करें कि यह असली वेबसाइट है या नकली। ऑनलाइन कई शॉपिंग वेबसाइट ऐसे हैं जो यूजर्स से पैसे तो ले लेते हैं लेकिन उनका सामान उन तक नहीं पहुचाते हैं। चलिए जानें कैसे आप फर्जी वेबसाइट को पहचान सकती हैं।

खराब वेबसाइट डिजाइन

अगर आप किसी वेबसाइट पर पहली बार गए हैं तो आपका ध्यान उस वेबसाइट के डिजाइन पर जा रहा होगा। ऐसे में अगर आपको वह देखने में अजीब लगे तो आपको सावधान हो जाना चाहिए। वेबसाइट अपने डिजाइन पर काफी ज्यादा ध्यान देते है। ऐसे में फर्जी वेबसाइट इन चीजों पर ध्यान नहीं देते। वह लोकल डिजाइन बना देते हैं। ऐसे में आप फर्जी वेबसाइट को पकड़ सकती हैं।

अधूरी प्रोडक्ट की जानकारी

अगर आप किसी प्रोडक्ट के देख रहे हैं और उस प्रोडक्ट के बारे में पूरे तरीके से जानकारी नहीं दी गई हैं तो आपको तुरंत समझ जाना है की यह वेबसाइट फर्जी है। असली वेबसाइट अपने प्रोडक्ट की पूरे तरीके से जानकारी देते हैं। वहीं नकली की करें तो वह ज्यादा से ज्यादा प्रोडक्ट सस्ते दाम पर देते हैं। ताकि लोग उसका कम दाम देखकर तुरंत उसे आर्डर करें।

इन 3 टिप्स की मदद से पहचानें फेक वेबसाइट

आजकल कई सारे साइबर अपराध हो रहे हैं। अलग-अलग तरह के ऑफर और डिस्काउंट के बारे में बता कर कई फेक वेबसाइट की मदद से ऑनलाइन ठगी हो रही है लेकिन अगर आप इन साइबर अपराध से बचना चाहती हैं तो आपको फेक वेबसाइट की पहचान करना आना चाहिए। इस लेख में हम आपको बताएंगे कि आप कैसे फेक वेबसाइट की पहचान कर सकती हैं।

चेक करें वेबसाइट का एड्रेस टाइप

आपको वेबसाइट का एड्रेस टाइप सबसे पहले चेक करना चाहिए। आपको बता दें कि वेबसाइट के एड्रेस में कई तरह की जानकारी होती है जिससे आप यह पता कर सकते हैं कि वेबसाइट फेक है या नहीं। अगर साइट का यूआरएल एचटीटीपीएस से शुरू होता है तो ज्यादातर ऐसी वेबसाइट असली होती हैं लेकिन कई बार फेक वेबसाइट की तरह ही यूआरएल फेक वेबसाइट के ठग भी बना लेते हैं। आप वेबसाइट को ओपन करने से पहले माउस को लिंक पर ले जाएं। इससे यूआरएल और हाइपरलिंक पॉप अप के रूप में दिख जाएगा। जिससे आपको वेबसाइट की पहचान करने में मदद मिलेगी। इस तरह से आप यह पता कर पाएंगी की वेबसाइट फेक है या फिर असली है।

ऐसे करें चेक

वेबसाइट पर लिखी गई अंग्रेजी को भी चेक करें और साथ ही आपको वेबसाइट के डोमेन नेम को जरूर चेक करना चाहिए। इसके अलावा आपको यह भी चेक करना चाहिए कि वेबसाइट में नीचे स्क्रॉल करने पर कॉपीराइट संबंधी जानकारी दी गई है या फिर नहीं। साथ ही आपको यह भी देखना चाहिए कि यूआरएल के आगे लॉक का निशान बना हुआ है कि नहीं। अगर यूआरएल के आगे लॉक का निशान बना होता है तो यानी की वह फेक वेबसाइट नहीं होती है। इन सभी चीजों को ध्यान रखकर आप यह पता कर सकती हैं कि वेबसाइट फेक है या फिर असली वेबसाइट है।

देखें वेबसाइट सर्टिफिकेशन

अगर आप वेबसाइट के होमपेज और लॉगिन पेज पर एसएसएल सर्टिफिकेशन को चेक करेंगी तो आपको यह पता चल जाएगा कि वेबसाइट फेक है या फिर वेबसाइट असली है। इसके साथ ही आपको यह भी चेक करना चाहिए कि वेबसाइट पर कई आक्रामक विज्ञापन है या नहीं क्योंकि अगर आप वेबसाइट खोलती हैं और साइट पर कई तरह के आक्रामक विज्ञापन आपको नजर आते हैं तो समझ जाएं कि वह विज्ञापन वायरस से जुड़े हुए भी हो सकते हैं इसलिए आपको इन वेबसाइट पर तुरंत भरोसा करके अपनी पर्सनल जानकारी को शेयर नहीं करना चाहिए।

बनना चाहती हैं बेस्ट बहू, तो शादी के बाद ससुराल वालों को ऐसे करें इंप्रेस

शादी के बाद लड़कियों के मन में अलग-अलग तरह की बातें चलती रहती हैं। वह सोचती हैं कि आखिर ऐसा कौन सा तरीका अपनाया जाए जिससे वो ससुराल वालों का दिल जीत लें। इस दौरान वो खाना बनाने से लेकर बातचीत का हर वो तरीका अपनाती हैं। बता दें कि ससुराल जाने के बाद लड़कियों के जीवन में कई तरह के बदलाव आते हैं, इस दौरान उन्हें नए तौर-तरीकों से अपने जीवन की शुरुआत करनी पड़ती है।

वहीं ससुराल वालों को इंप्रेस करना हर लड़की के लिए किसी मुश्किल टास्क से कम नहीं। कहा जाता है कि अगर ससुराल वालों के दिल में जगह बनाना चाहती हैं तो सबसे पहले दुल्हन को अपने सास-ससुर का दिल जीतना होगा। ऐसे में आज हम बताएंगे कुछ ऐसे तरीके जिसकी मदद से आप न सिर्फ ससुराल वालों को इम्प्रैस कर सकती हैं बल्कि बेस्ट बहू भी बन सकती हैं।

पार्टनर की लें मदद

घर में आने के बाद हर किसी को समझने के लिए अपने पार्टनर की मदद लें। अगर किसी का बर्ताव आपके प्रति सही नहीं है तो उस बारे में उनसे चर्चा करें। पार्टनर आपको सभी से मिलने में मदद कर सकता है और बेहतर राय दे सकता है। नए घर में चीजों को बेहतर तरीके से करने के लिए उनसे सलाह लेती रहें।

घर के किसी एक सदस्य को बनाएं दोस्त

ससुराल में कई ऐसे लोग होते हैं जो जल्द ही आपके दोस्त बन जाते हैं। इसमें देवर या फिर ननद कोई भी हो सकता है। ऐसे में उनकी पसंद को जानें और पर्सनल बॉन्ड बनाएं। जिससे आप दोनों एक दूसरे से खुलकर बात कर सकें और अपनी बातें शेयर कर सकें। घर में किसी एक से अच्छी बॉन्डिंग होने से आप बाकी लोगों के बारे में अच्छी तरह जान सकती हैं।

हर किसी को खुश करने न करें कोशिश

कोशिश करें कि सभी आपके काम या फिर व्यवहार को पसंद करें। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि आप जबरदस्ती काम करें। इसके अलावा अगर आपको कुछ बातें पसंद नहीं है तो सीधे ना कर दें। ऐसा जरूरी नहीं कि आप हर किसी की बातों पर हंसे या फिर हां में हां मिलाएं। दूसरों को जानने के अलावा खुद के बारे में भी लोगों को जानने दें। यह बेहद जरूरी है कि घर के बाकी सदस्यों की तरह आपको भी उतना ही सम्मान मिले।

किसी के लिए न बनाएं गलत धारणा

सास और ससुर के प्रति पहले से गलत धारणा न बनाएं बल्कि उन्हें समझने के लिए वक्त लें। हर वक्त उनसे बात करें और अच्छी बॉन्डिंग बनाएं। आमतौर पर सास की नेगिटिव छवि बनाई जाती है, ससुराल में घर के बाकी सदस्यों की तरह उन्हें भी अपना प्यार दें और उनके साथ बेहतर रिश्ता बनाएं।

सोच-समझकर बातें करें शेयर

लोग आपसे पर्सनल लाइफ या फिर शादी से पहले के रिलेशनशिप को लेकर सवाल कर सकते हैं। ऐसे में सबकुछ बताने के बजाय उन्हीं बातों को शेयर करें जो आप बताना चाहती हैं। कई बार ऐसा होता है जब आपकी पास्ट रिलेशनशिप का प्रभाव आपकी मैरिड लाइफ पर भी पड़ सकता है। इसलिए अपनी पसंद या फिर ख्वाहिशों के बारे में बताएं।

अपने कपड़ों से करें इंप्रेस

कई लड़कियों को अपनी पसंद के कपड़े पहनने की आदत होती हैं। ऐसे में जब कोई फंक्शन या फिर त्योहार हो तो उसके हिसाब से कपड़े पहने। नई नवेली दुल्हन को हर कोई देखना चाहता हैं, ऐसे में आप अच्छी तरीके से तैयार होती हैं तो लोग आपकी तारीफ करेंगे। आपकी तारीफ से ससुराल वाले भी खुश होंगे।

फैमिली के शिष्टाचार में दिखाएं रुचि

हर एक परिवार के अपने नियम होते हैं और भले ही आपको इसकी आदत नहीं है लेकिन उनके साथ भागीदारी जरूर बनायें। घर की खुशी के लिए उनके नियमों का पालन करें, लेकिन अगर आपको कुछ नियम नहीं पसंद तो उन्हें इस बारे में बताएं। उन्हें अपनी बातों से समझाएं कि आप ऐसा नहीं कर सकती हैं।

बच्चों के नखरे उठाने और पालन पोषण करने में आती है दिक्कत? एक्सपर्ट से जान हैंडल करने के टिप्स

नखरे बच्चों का गहना हैं। बच्चे चंचल हों तो चिंता की बात नहीं होती, लेकिन उनमें आवश्यकता से अधिक गंभीरता हो तो जरूर चिंता होती है। लेकिन कभी-कभी बच्चों का नखरा संभालना मुश्किल हो जाता है। कब उनका नखरा जिद बन जाता है और कब जिद जी का जंजाल बन जाती है, माता-पिता समझ ही नहीं पाते। इसके लिए, मानसिक स्वास्थ्य और व्यवहार विज्ञान के प्रमुख मनोचिकित्सक डॉ. राहुल से जानें, बच्चों नखरे हैंडल करने के टिप्स।

जब हाथ से निकलने लगता है नखरा

अपने मन का न होने पर पैर पटकने लगना, चीखना-चिल्लाना, दीवार पर हाथ-पैर मारने लगना, काटना या जानबूझकर खाना छोड़ देना कुछ ऐसे लक्षण हैं, जो दिखाते हैं कि आपके बच्चे का नखरा अब जिद में बदल चुका है और आपको उसे संभालने के लिए मेहनत करनी होगी। इस बिंदु पर अगर आपने संयम खोया तो बच्चे को संभालना मुश्किल हो सकता है। सामान्य तौर पर दो साल की उम्र के बाद से बच्चे इस तरह के नखरे दिखाने लगते हैं।

नखरे का कारण समझिए

इस उम्र में बच्चे आमतौर पर हताशा के कारण जिद करने लगते हैं। होता यह है कि बच्चे अपनी बात को पूरी तरह प्रकट नहीं कर पाते हैं। मन और भावनाओं की तुलना में उनका संवाद कम विकसित होता है, इसी कारण उन्हें हताशा होने लगती है। इसी हताशा में बच्चे जिद करते हैं। अगर आप उनकी बात समझ लें तो उन्हें समझाना आसान हो जाता है।

शांत बने रहिए

जब बच्चा नखरे कर रहा हो तो आपका शांत बने रहना जरूरी हो जाता है। नम्रता के साथ-साथ आपको दृढ़ता से उसे समझाना चाहिए। कोशिश कीजिए वह किसी भी तरह खुद को नुकसान न पहुंचाए। उसे उन चीजों या परिस्थितियों से दूर रखिए, जिनसे उसे गुस्सा आता है। उसे डांटने के बजाय संभलने का मौका दीजिए। जैसे ही लगे कि बच्चा कोई जिद करने वाला है, बिना ज्यादा प्रतिक्रिया दिए उसे वहां से हटाकर किसी और बात में बहला दीजिए।

दिल पर मत लगाइए बात

ऐसी स्थिति में बच्चे बहुत कुछ ऐसा कह या कर देते हैं, जो माता-पिता के रूप में आपको बुरा लग सकता है। उन बातों को दिल से लगाकर गुस्सा मत होइए। न ही आपको उसके व्यवहार के लिए स्वयं को दोषी मानने की जरूरत है। ध्यान रखिए कि बच्चा जो कर रहा है उसका कारण आप नहीं, उसकी हताशा है। बच्चा किसी सार्वजनिक स्थान जैसे मॉल या पार्क आदि में ऐसा करे, तब आपका धैर्य रखना और भी जरूरी हो जाता है।

रखें इन बातों का ध्यान

घर में कोई मेहमान आने वाला हो तो बच्चे को पहले से उसके बारे में बता दें। ऐसे मामलों में बच्चे ज्यादा सरप्राइज पसंद नहीं करते हैं। बच्चों को प्रेम से समझाइए कि मेहमानों के सामने कैसा व्यवहार करना चाहिए। इसके अलावा, अगर बच्चों को कहीं लेकर जाएं तो कोशिश करें कि उनका पसंदीदा खिलौना साथ रहे। इससे बच्चे को संभालना आसान हो जाता है।

कोलकाता नाइट राइडर्स ने जीता तीसरा खिताब

श्रेयस अय्यर की कप्तानी में कोलकाता नाइट राइडर्स ने धमाल मचा दिया है. उसने इंडियन प्रीमियर लीग 2024 का फाइनल मुकाबला अपने नाम कर तीसरा खिताब जीत लिया है. यह मैच रविवार (26 मई) को चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में खेला गया, जो एकतरफा रहा. फाइनल में पैट कमिंस की कप्तानी वाली सनराइजर्स हैदराबाद टीम को केकेआर के हाथों 8 विकेट से शर्मनाक हार झेलनी पड़ी. इस मैच में हैदराबाद टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 114 रनों का आसान टारगेट दिया था.

इसके जवाब में केकेआर टीम ने 2 विकेट गंवाकर 10.3 ओवरों में ही मुकाबला और खिताब अपने नाम कर लिया. टीम के लिए वेंकटेश अय्यर ने 26 गेंदों पर 52 रनों की नाबाद आतिशी पारी खेली. जबकि रहमानुल्लाह गुरबाज ने 32 गेंदों पर 39 रन बनाए. हैदराबाद के लिए पैट कमिंस और शाहबाज अहमद ने 1-1 विकेट लिया.

2012 और 2014 में भी खिताब जीत चुकी केकेआर

बता दें कि केकेआर ने इससे पहले 2012 और 2014 आईपीएल सीजन के फाइनल में एंट्री की थी और दोनों ही बार गौतम गंभीर की कप्तानी में खिताब जीता था. इसके बाद 2021 सीजन में ओएन मोर्गन की कप्तानी में फाइनल में पहुंचे थे, तब चेन्नई सुपर किंग्स के हाथों हार मिली थी. यह केकेआर टीम का चौथा फाइनल रहा, जिससे अपने नाम कर कोलकाता ने तीसरा खिताब जीत लिया है. दूसरी ओर सनराइजर्स हैदराबाद है, जिसने अब तक एक ही बार खिताब जीता है. उसने डेविड वॉर्नर की कप्तानी में 2016 सीजन जीता था, तब फाइनल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को हराया था. 2009 में भी हैदराबाद टीम ने खिताब जीता था, लेकिन तब उसका नाम डेक्कन चार्जर्स था और फ्रेंचाइजी के मालिक (गायत्री रेड्डी) भी अलग ही थे.

मुकाबले में हैदराबाद टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया, जो गलत साबित हुआ. टीम की शुरुआत बेहद खराब रही और वो 18.3 ओवर में 113 रन बनाकर ढेर हो गई. इसके साथ ही हैदराबाद टीम ने एक शर्मनाक रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया है.

हैदराबाद टीम आईपीएल इतिहास के किसी भी फाइनल मुकाबले में सबसे छोटा स्कोर बनाने वाली टीम बन गई है. उसने चेन्नई सुपर किंग्स का रिकॉर्ड तोड़ दिया है. चेन्नई टीम ने इससे पहले 2013 फाइनल में मुंबई इंडियंस के खिलाफ 9 विकेट पर 125 रन बनाए थे. यह मैच ईडन गार्डन्स में हुआ था.

मौजूदा फाइनल मुकाबले में केकेआर टीम के गेंदबाज पूरी तरह हावी नजर आए. उनके सामने हैदराबाद टीम के बल्लेबाजों की एक नहीं चली. कोलकाता के खिलाफ मैच में स्रक्ष टीम के कप्तान पैट कमिंस ने 24 और एडेन मार्करम ही सबसे ज्यादा 20 रन बना सके हैं.

उनके अलावा कोई भी बल्लेबाज 20 रनों का आंकड़ा नहीं छू सके. उनके बाद हेनरिक क्लासेन ने 16 रन बनाए. जबकि केकेआर टीम के लिए तेज गेंदबाज आंद्रे रसेल ने 3 विकेट झटके. जबकि मिचेल स्टार्क और हर्षित राणा ने 2-2 विकेट लिए. वैभव अरोड़ा, सुनील नरेन और वरुण चक्रवर्ती को 1-1 विकेट मिला.

आईपीएल 2024

जो विराट-धोनी और रोहित भी नहीं कर पाए, वो मिचेल स्टार्क ने किया

चेन्नई, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के अनुभवी और तेज तर्रार गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने आईपीएल में इस सीजन 2015 के बाद पहली बार भाग लिया। वह मिनी ऑक्शन का हिस्सा थे और नीलामी में आईपीएल में बिकने वाले सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए। उनको केकेआर ने 24.75 करोड़ की मोटी रकम में खरीदा था। इतना महंगा बिकने के बाद लोगों ने केकेआर की स्ट्रेटेजी पर सवाल उठाए। सीजन के शुरुआत में मिचेल स्टार्क को लय पकड़ने में समय लग रहा था। लेकिन दूसरे हाफ में धीरे-धीरे उनकी गेंदबाजी में धार दिखने लगी। स्टार्क ने केकेआर को आईपीएल जिताने में तो अहम भूमिका निभाई है। साथ ही उन्होंने आईपीएल प्लेऑफ में भी एक खास रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।

आईपीएल प्लेऑफ में मिचेल स्टार्क ने बनाया खास रिकॉर्ड

सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ पहले क्वालीफायर और फाइनल में मिचेल स्टार्क ने जबरदस्त गेंदबाजी की थी, जिसके चलते उन्हें दोनों ही मैचों में प्लेयर ऑफ द मैच के अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था। इसी के साथ उन्होंने प्लेऑफ में बड़ा रिकॉर्ड बना डाला।। वह एक सीजन में प्लेऑफ में सबसे ज्यादा प्लेयर ऑफ द मैच के अवॉर्ड जीतने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। स्टार्क ने इस सीजन प्लेऑफ में दो बार अवॉर्ड जीता। इससे पहले यह कारनामा अब तक आईपीएल में कोई और खिलाड़ी नहीं कर पाया था।

आईपीएल 2024 में मिचेल स्टार्क का प्रदर्शन

आईपीएल 2024 में मिचेल स्टार्क ने केकेआर के लिए खेलते हुए 41.5 ओवर डाले। इस दौरान उन्होंने 10.61 की इकॉनमी से गेंदबाजी करते हुए 17 विकेट लिए। स्टार्क महंगे जरूर साबित हुए। लेकिन उन्होंने विकेट भी कोलकाता के लिए निकाले। मिचेल स्टार्क बड़े मैच के खिलाड़ी हैं यह उन्होंने एक बार फिर साबित किया। जब उनकी केकेआर को सबसे ज्यादा जरूरत थी तो वह हीरे से भी तेज चमके। उनका प्रदर्शन प्लेऑफ में 7वें आसमान पर रहा।

सुनील नारायण ने रचा दिया इतिहास

चैन्नई, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 17वें सीजन में कोलकाता नाइट राइडर्स टीम को तीसरी बार विजेता बनाने में सुनील नारायण ने गेंद और बल्ले दोनों से अहम भूमिका निभाई। पिछले कुछ सीजन में नारायण उस फॉर्म में नहीं दिखाई दिए थे, लेकिन आईपीएल 2024 में एकबार फिर से मैदान पर उनका वही पुराना फॉर्म देखने को मिला। सुनील नारायण ने आईपीएल के 17वें सीजन में जहां केकेआर टीम के लिए बल्ले से पारी की शुरुआत करने की जिम्मेदारी निभाई तो वहीं उन्होंने गेंद से भी कमाल दिखाया। नारायण इस सीजन अपने आईपीएल करियर का पहला शतक भी लगाने में कामयाब रहे। सुनील नारायण को फाइनल मुकाबले के बाद इस सीजन का मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर का अवॉर्ड भी दिया गया जिसे जीतने के साथ उन्होंने एक खास रिकॉर्ड़ भी बना दिया।

बीसीसीआई सचिव जय शाह ने की घोषणा

आईपीएल के मैदानकर्मियों और क्यूरेटर को नकद पुरस्कार

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने उन्हें 'गुमनाम नायक बताते हुए सोमवार को घोषणा की कि सभी 10 नियमित आईपीएल स्थलों के मैदानकर्मियों और क्यूरेटरों को लीग के दौरान 'शानदार पिचें मुहैया करने के लिए सराहना के तौर पर 25-25 लाख रुपए दिए जाएंगे। आईपीएल 2024 का समापन रविवार को चेन्नई में हुआ जिसमें फाइनल में कोलकाता नाइट राइडर्स ने सनराइजर्स हैदराबाद पर आठ विकेट की जीत के साथ अपनी तीसरी खिताबी जीत दर्ज की। शाह ने एक्स पर लिखा, 'हमारे सफल टी20 सत्र के गुमनाम नायक मैदानकर्मी हैं जिन्होंने कठिन मौसम में भी शानदार पिचें प्रदान करने के लिए अथक प्रयास किए। उन्होंने लिखा, 'हमारी सराहना के प्रतीक के तौर पर 10 नियमित आईपीएल स्थलों पर मैदानकर्मियों और क्यूरेटर को 25 लाख रुपये मिलेंगे और तीन अतिरिक्त स्थानों पर 10 लाख रुपए मिलेंगे। आपके समर्पण और कड़ी मेहनत के लिए धन्यवाद। आईपीएल के 10 नियमित स्थान मुंबई, दिल्ली, चेन्नई, कोलकाता, चंडीगढ़, हैदराबाद, बेंगलुरू, लखनऊ, अहमदाबाद और जयपुर हैं। इस वर्ष अतिरिक्त आयोजन स्थल गुवाहाटी, विशाखापत्तनम और धर्मशाला थे।

गुवाहाटी राजस्थान रॉयल्स का दूसरा घरेलू स्थल था जबकि विशाखापत्तनम ने दिल्ली कैपिटल्स के घरेलू मैचों के पहले चरण की मेजबानी की। धर्मशाला किंग्स इलेवन पंजाब के लिए दूसरे घरेलू मैदान के रूप में कार्य करता है। इस साल का आईपीएल बड़े स्कोर वाले मैचों के लिए चर्चा में रहा है जिसमें सर्वोच्च टीम स्कोर का रिकॉर्ड दो बार टूटा। इस सत्र में 250 रन का आंकड़ा आठ बार पार किया गया। शाह ने नाइट राइडर्स को खिताबी जीत के लिए बधाई भी दी। उन्होंने लिखा, '2024 टाटा आईपीएल जीतने के लिए कोलकाता नाइट राइडर्स को बधाई। टीम ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार निरंतरता दिखाई और टीम का शानदार नेतृत्व करने के लिए श्रेयस अय्यर को बधाई। शाह ने लिखा, 'एक बार फिर, बड़ी संख्या में आने और इसे एक और सफल सत्र बनाने के लिए प्रशंसकों को धन्यवाद!

दीपा करमाकर एशियाई चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय जिमनास्ट बनीं

ताशकंद (उज्बेकिस्तान), एजेंसी। शीर्ष जिमनास्ट दीपा करमाकर ने रविवार को यहां ताशकंद में एशियाई महिला कलात्मक जिमनास्टिक चैंपियनशिप में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीता और यह उपलब्धि हासिल करने वाली पहली भारतीय बन गईं। व्यक्तिगत वॉल्ट के फाइनल में करमाकर 13.566 के औसत स्कोर के साथ आठ जिमनास्टों के बीच शीर्ष पर रहीं। अपने दोनों प्रयासों में, 30 वर्षीय को 13.566 के समान स्कोर प्राप्त हुए।

उत्तर कोरियाई किम सोन हयांग (13.466) और जो क्योंग ब्योल (12.966) ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीते। इससे पहले करमाकर ने 2015 में हिरोशिमा में इसी स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था। 2016 में रियो ओलंपिक में वॉल्ट फाइनल में चौथे स्थान पर रहने के बाद वह देश में एक घरेलू नाम बन गईं। करमाकर ने 2014 में ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य पदक भी जीता।

डायमंड लीगः चेबेट का 10 हजार मीटर में विश्व रिकॉर्ड

शकारी 100 मीटर में चैंपियन

नई दिल्ली, एजेंसी। महिलाओं की फर्राटा दौड़ में रिचर्ड्सन शुरुआती 30 मीटर में पिछड़ रही थी लेकिन उसके बाद उन्होंने रफ्तार पकड़ी। सेंट लूसिया की जूलियन एल्फ्रेड (10.93) दूसरे और ब्रिटेन की डिना एशर स्मिथ तीसरे स्थान पर रहीं। गत विश्व चैंपियन अमेरिका की शकारी रिचडर्सन ने डायमंड लीग प्रीफोंटाइन क्लासिक में महिलाओं की 100 मीटर की रेस 10.83 सेकेंड के साथ जीत ली। पुरुषों में अमेरिका के क्रिस्टियन कोलमैन ने 9.95 सेकेंड में सत्र के श्रेष्ठ समय के साथ 100 मीटर की रेस जीती, जबकि केन्या की बिटराइस चेबेट ने 10 हजार मीटर में 28 मिनट 54.14 सेकेंड के साथ नया विश्व रिकॉर्ड बना दिया। महिलाओं की फर्राटा दौड़ में रिचर्ड्सन शुरुआती 30 मीटर में पिछड़ रही थी लेकिन उसके बाद उन्होंने रफ्तार पकड़ी। सेंट लूसिया की जूलियन एल्फ्रेड (10.93) दूसरे और ब्रिटेन की डिना एशर स्मिथ तीसरे स्थान पर रहीं। शकारी को अगले महीने पेरिस ओलंपिक के लिए अमेरिकी टीम के ट्रायल में हिस्सा लेना है। टोक्यो ओलंपिक में वह ट्रायल में पहले स्थान पर रहने के बावजूद मारिजुआना के कारण डोप टेस्ट में विफल हो गई थीं।

राजकुमार-जान्हवी का दावा

क्रिकेट के अलावा पति-पत्नी के रिश्ते की खूबसूरती भी दिखाएगी फिल्म

राजकुमार राव मौजूदा दौर के बेहतरीन अभिनेताओं में से एक हैं। हाल ही में वह फिल्म श्रीकांत में नजर आए थे। फिलहाल वह अपनी आगामी फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इस फिल्म में अभिनेता जान्हवी कपूर के साथ स्क्रीन साझा करते नजर आएंगे। अब हाल ही में, एक इंटरव्यू में अभिनेता ने अपनी फिल्म को दर्शकों की कहानी बताया है और पति पत्नी के साथ पर जोर भी दिया है। राजकुमार ने अपने हालिया इंटरव्यू में कहा, यह आप सभी (लोगों) की कहानी है...यह पति-पत्नी की कहानी है...उनके प्यार, झगड़े, अहंकार...उनके करियर...मेरे किरदार का नाम महेंद्र है, वह एक असफल क्रिकेटर है। वह क्रिकेटर बनना चाहता था और देश के लिए खेलना चाहता था, साथियों के दबाव और परिवार के दबाव के कारण वह ऐसा नहीं कर सका। बाद में उसकी शादी हो जाती है और वह अपना सपना अपनी पत्नी के जरिए जीते हैं। इंटरव्यू में आगे जान्हवी कपूर ने फिल्म के बारे में बताते हुए कहा, यह कहानी दो लोगों के बारे में है जो अपने सपनों के पीछे भागने के लिए एक-दूसरे से साहस पाते हैं। यह एक प्यारी कहानी है, यह सिर्फ क्रिकेट के बारे में नहीं है बल्कि यह एक पारिवारिक ड्रामा भी है... यह सपनों की कहानी है।

'मिस्टर एंड मिसेज माही' 31 मई को रिलीज के लिए तैयार है। यह फिल्म क्रिकेट पर आधारित है, जिसमें राजकुमार राव और जान्हवी कपूर क्रिकेट खेलते नजर आएंगे। फिल्म के लिए जान्हवी कपूर ने काफी मेहनत की है। उनकी क्रिकेट ट्रेनिंग के कई वीडियो सामने आ चुके हैं, जिसमें वो पसीना बहाते नजर आ रही हैं। 'गुंजन सक्सेना' फिल्म से निर्देशन के क्षेत्र में डेब्यू करने वाले निर्देशक शरण शर्मा ने 'मिस्टर एंड मिसेज माही' का निर्देशन किया है। 'मिस्टर एंड मिसेज' राजकुमार राव और जान्हवी कपूर की एक साथ दूसरी फिल्म है।

दिव्या खोसला इंदौर में सावी की पहली स्क्रीनिंग के दौरान भावुक हुई

अभिनेत्री-फिल्म निर्माता दिव्या खोसला मध्य प्रदेश के इंदौर में अपनी फिल्म सावी की पहली सार्वजनिक स्क्रीनिंग के दौरान भावुक हो गई, जिसमें अनिल कपूर और हर्षवर्धन राणे भी थे। स्क्रीनिंग शुरू होने से पहले दिव्या ने दर्शकों को संबोधित करते हुए कहा कि न तो उनके पिता और न ही उनके परिवार ने अभी तक फिल्म देखी है। अभिनेत्री ने कहा, हमने अभी तक किसी को फिल्म नहीं दिखाई है। यहां तक कि मेरे अपने परिवार, मेरे पिताजी ने भी फिल्म नहीं देखी है। आप इसे देखने वाले पहले व्यक्ति हैं, हमने इसे सिर्फ अपने दफ्तर में देखा है। मैं बहुत भावुक हो रही हूं, मुझे ऐसा लग रहा है, जैसे मैं अपने परिवार के साथ बैठकर फिल्म देख रही हूं। उन्होंने कहा, आज रात यहां यह पहला शो आप सभी के साथ हो रहा है और यह मेरे लिए गर्व का क्षण है। मैं बहुत आभारी हूं कि मुझे यहां आने और आप सभी के साथ इसे देखने का मौका मिला। मुझे उम्मीद है कि आप सभी अपने परिवार और दोस्तों के साथ इसका आनंद लेंगे। सावी एक जेलब्रेक थ्रिलर है। यह 31 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। अभिनय देव की फिल्म सावी का निर्माण विशेष फिल्म्स और टी-सीरीज़ के बैनर तले मुकेश भट्ट, भूषण कुमार और कृष्ण कुमार ने किया है।

गलत डॉक्टरों से इलाज, इमरजेंसी एग्जिट भी नहीं; मासूमों को निगलने वाले अस्पताल को लेकर कई खुलासे

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के बेबी केयर अस्पताल अग्निकांड से हर कोई सदमे में है। इस हादसे में 7 नवजात मासूमों ने अपनी जान गंवा दी जबकि पांच का इलाज चल रहा है। यह आग इतनी भीषण थी कि पूरा अस्पताल खंडहर में तब्दील हो गया। बेबी केयर अस्पताल का मालिक गिरफ्तार कर लिया गया है। उस पर बच्चों की जान जोखिम में डालने का आरोप लगा है। वहीं अब इस मामले से जुड़े कई बड़े खुलासे हो रहे हैं। बताया जा रहा है कि अस्पताल में लगातार कई लापरवाही बरती जा रही थी और बच्चों की जान के साथ खिलवाड़ किया जा रहा था।

अस्पताल का लाइसेंस खत्म हो चुका था लेकिन इसके बावजूद अस्पताल चल रहा था। इसके अलावा जो एक्सपायर लाइसेंस था उसमें भी अस्पताल को केवल 5 बेड की ही इजाजत मिली हुई थी लेकिन वहां 25-30 बच्चों का इलाज किया जाता था। जानकारी के मुताबिक मौके से 32 ऑक्सीजन सिलेंडर बरामद हुए हैं जबकि यहां 5 बेड के हिसाब से ही ऑक्सीजन सिलेंडर होने चाहिए थें। इसके अलावा अस्पताल में ना तो इमरजेंसी एग्जिट था और ना ही आग बुझाने का कोई इंतजाम। इसके अलावा इस अस्पताल को फायर सर्विस की तरफ से एनओसी भी नहीं दिया गया था। सबसे परेशान करने वाली बात यह है

कि बच्चों का इलाज ऐसे डॉक्टर कर रहे थे जो इसके लिए क्वालिफाई भी नहीं थे। इन डॉक्टरों के पास बैचलर ऑफ आयुर्वेदि मेडिसिन एंड सर्जरी थी। यानी इनमें से कोई भी बच्चों का डॉक्टर नहीं था। अग्निशमन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि अस्पताल के पास फायर क्लीयरेंस नहीं था। डीएफएस के एक अधिकारी ने नाम न छापने का अनुरोध करते हुए कहा, इमारत के पास कोई फायर एनओसी नहीं है। बाकी हम सोमवार को एनओसी से संबंधित दस्तावेजों की भी जांच करेंगे। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने अस्पताल के मालिक डॉ. नवीन किची को गिरफ्तार कर लिया है, जो शनिवार देर रात आग लगने की घटना के बाद से फरार था। दिल्ली सरकार ने अग्निकांड की मजिस्ट्रेटी जांच के भी आदेश दिए हैं। घटना के बाद, शाहदरा की जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) रितिशा गुप्ता असपताल गई तो वहां अपने बच्चों को खो चुके परिवारों ने खूब गुस्सा जाहिर किया। उन्होंने हमें इंसाफ चाहिए के नारे लगाए। अपने 10 दिन के बच्चे को खोने वाले रितिक ने कहा, यहां आने वाला हर अधिकारी चुप्पी साधे हुए है। उनके पास कोई जवाब नहीं है कि क्या अस्पताल वैध था, क्या अस्पताल के पास अग्निशमन विभाग से कोई एनओसी थी। एक निवासी मुकेश बंसल ने दावा किया कि इमारत में अवैध ऑक्सीजन रिफिलिंग सिलेंडर का काम किया जा रहा था। बंसल ने कहा, हमने स्थानीय पार्षद से भी इसकी शिकायत की थी। लेकिन कुछ नहीं किया गया। यह सब पुलिस की नाक के नीचे हो रहा था।बंसल ने यह भी कहा कि वह अस्पताल के बगल में रहते थे लेकिन सिलेंडर रिफिलिंग के अवैध काम के कारण वह अगली गली में चले गए। पुलिस ने कहा कि वे दावे की जांच कर रहे हैं। जिला मजिस्ट्रेट (शाहदरा) द्वारा दिल्ली मंडल आयुक्त को सौंपी गई एक रिपोर्ट के अनुसार, घटना के समय अस्पताल में 12 बच्चे भर्ती थे। एक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 11 को आसपास के अस्पताल में ले जाया गया, जहां छह को मृत घोषित कर दिया गया।

दिल्ली के बच्चों के अस्पताल में आग पर ऐक्शन में आप सरकार, स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने बुलाई हाईलेवल मीट

पूर्वी दिल्ली के विवेक विहार स्थित बच्चों के निजी अस्पताल में आग लगने की घटना पर दिल्ली सरकार ऐक्शन में आ गई है। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने अस्पताल में आग के बारे में चर्चा के लिए आज एक हाईलेवल बैठक बुलाई है। बैठक में बढ़ती गर्मी को लेकर भी चर्चा होगी। दरअसल, रविवार को बताया कि विवेक विहार के न्यू बोर्न बेबी केयर अस्पताल में शनिवार रात आग लगने से 7 नवजात बच्चों की मौत हो गई थी और 5 अन्य घायल हो गए थे।

अधिकारियों ने सोमवार को इस बारे में जानकारी देते हुए कहा कि यह बैठक दिल्ली सचिवालय में होगी। इसमें स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी उपस्थित रहेंगे। उन्होंने कहा कि बैठक में भीषण गर्मी के हालात पर भी चर्चा की जाएगी। उन्होंने बताया कि बेबी केयर अस्पताल के लाइसेंस की अवधि समाप्त हो जाने और अग्निशमन विभाग से मंजूरी नहीं मिलने के बाद अवैध रूप से संचालित किया जा रहा था।

संक्षिप्त समाचार

किसी की बलि दो, कान में आती थी आवाज; पहले मुर्गे और फिर 4 साल के बेटे का काट दिया गला

नईदिल्ली, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में पुलिस ने दिमागी रूप से अस्वस्थ एक शख्स को गिरफ्तार किया है, जिसने कथित तौर पर अपने 4 साल के बेटे की गला काटकर उसकी बलि दे दी। उन्होंने बताया कि कमलेश के परिजनों ने जानकारी दी कि शनिवार को कमलेश अचानक पागलों की तरह हरकत करने लगा। वह परिवार के सदस्यों से कहने लगा कि उसके कानों में अजीब सी आवाज सुनाई दे रही है और उसे किसी की बलि चढ़ाने के लिए कहा जा रहा है। शंकरगढ़ थाना क्षेत्र के अंतर्गत महुआडीह गांव में आरोपी कमलेश नगेशिया (26) की बातों पर उसके परिजनों ने ध्यान नहीं दिया। शनिवार-रिवार रात रात में भोजन के बाद सभी सोने चले गए और कमलेश की पत्नी भी अपने दो बेटों को लेकर अपने कमरे में सोने चली गई। उन्होंने बताया कि रात में कमलेश अचानक उठा और उसने घर के आंगन में एक मुर्गे का गला रेत दिया। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि बाद में वह अपने बड़े बेटे अविनाश को उठाकर आंगन में ले आया और गला रेतकर उसकी हत्या कर दी। जब पत्नी जागी तो उसने बच्चे को नहीं देखा। वह बाहर निकली और पति कमलेश से बेटे के बारे में पूछा। तब कमलेश ने उसे बताया कि उसने बलि चढ़ाने के लिए उसका गला काट दिया है। महिला ने पड़ोस में रहने वाले परिवार के अन्य सदस्यों और गांववालों को घटना की जानकारी दी। उन्होंने बाद में पुलिस को सूचना दी। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। एक अधिकारी ने बताया, आरोपी मानसिक रूप से बीमार बताया जा रहा है। उसने अपनी पत्नी और परिवार के अन्य लोगों को बताया था कि उसे एक आवाज सुनाई देती है, जिसमें उसे बलि चढ़ाने को कहा जाता है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि इससे पहले उसने अपनी मां की हत्या की भी कोशिश की थी, लेकिन तब परिजनों ने रोक लिया था। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने कमलेश को पकड़ लिया और बच्चे के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उन्होंने बताया कि प्राथमिक जानकारी के अनुसार कमलेश की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अरविंद केजरीवाल की सुप्रीम कोर्ट में नई अर्जी, अंतरिम जमानत 7 दिन बढ़ाने की गुहार

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट में एक नई याचिका दायर कर अपनी अंतरिम जमानत 7 दिन बढ़ाने की मांग की है। केजरीवाल ने अपनी नई याचिका में स्वास्थ्य कारणों का हवाला देकर कुछ दिन का और वक्त मांगा है। आम आदमी पार्टी (आप) ने सोमवार को बताया कि दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर अपनी अंतरिम जमानत 7 दिन बढ़ाने की गुहार लगाई है। आप ने कहा कि केजरीवाल को पीईटी-सीटी स्कैन और अन्य टेस्ट कराने हैं, इसलिए जांच कराने के लिए उन्होंने 7 दिन का और समय मांगा है। केजरीवाल की ओर से दायर याचिका में कहा गया है कि गिरफ्तारी के बाद मुख्यमंत्री का 7 किलो वजन घट गया था। उनका कीटोन लेवल बहुत हाई है। उनमें किसी गंभीर बीमारी के लक्षण हो सकते हैं। मैक्स अस्पताल के डॉक्टरों ने उनकी जांच की है। डॉक्टरों ने केजरीवाल की जांच के बाद उन्हें पीईटी-सीटी स्कैन और कई टेस्ट करवाने की जरूरत बताई है। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दिपांकर दत्ता की बेंच ने बीती 10 मई को कथित शराब नीति घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में तिहाड़ जेल में बंद केजरीवाल को 1 जून तक के लिए अंतरिम जमानत दे दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें 2 जून को फिर से तिहाड़ जेल में सरेंडर करने का आदेश दिया था। अंतरिम जमानत देते हुए कोर्ट ने केजरीवाल को मुख्यमंत्री कार्यालय जाने पर पाबंदी समेत कई अन्य शर्तें लगाई थीं। बेंच ने लोकसभा चुनाव प्रचार अभियान के बीच मुख्यमंत्री केजरीवाल को राहत देते कहा था अंतरिम जमानत देने की शक्ति का प्रयोग आमतौर पर कई मामलों में किया जाता है। यह मामला अपवाद नहीं है। ईडी द्वारा आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को दिल्ली की आबकारी नीति 2021-22 (जो विवाद के बाद रद्द कर दी गई थी) में कथित घोटाला मामले के सिलसिले में 21 मार्च 2024 को गिरफ्तार किया गया था।

केजरीवाल को क्यों पीईटी-सीटी स्कैन की दी गई सलाह, आप बोली- यह कैंसर का भी लक्षण

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करके अपनी अंतरिम जमानत को 7 दिन बढ़ाने की गुजारिश की है। अरविंद केजरीवाल ने देश की सबसे बड़ी अदालत से कहा है कि उन्हें पीईटी-सीटी स्कैन समेत कुछ टेस्ट करवाने हैं। आम आदमी पार्टी ने कहा है कि जो लक्षण केजरीवाल में पाए गए हैं वह किडनी की गंभीर समस्या या कैंसर की ओर भी संकेत हो सकते हैं। कथित शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में 21 मार्च को गिरफ्तार किए गए केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट ने 21 दिनों की अंतरिम राहत दी थी और 2 जून को सरेंडर करके दोबारा जेल जाने को कहा है।

सूत्रों के मुताबिक, गिरफ्तारी के बाद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल वजन 7 किलो घट गया है। इसके अलावा उनका कीटोन लेवल बहुत ऊंचा है। बताया जा रहा है कि मैक्स के डॉक्टरों ने केजरीवाल की जांच की है और जो बातें अब तक सामने आई हैं वो किसी गंभीर बीमारी के भी लक्षण हो सकते हैं। आशंका दूर करने के लिए डॉक्टरों ने उन्हें पीईटी-सीटी स्कैन और कई टेस्ट करवाने की सलाह दी है।

सावधान! वजन घटाने वाली दवाओं से हो सकता है पेट के लकवे का खतरा

नईदिल्ली, एजेंसी। दुनिया की एक बड़ी अबादी बढ़ते वजन से परेशान है। हर कोई तेजी से पतला होने के शार्टकट्स खोजने में लगा हुआ है। ऐसे में सबसे पहला तरीका जो दिमाग मे आता है, वह है मोटापे से निजात दिलाने वाली दवाओं का सेवन। लेकिन इसके बहुत गंभीर साइड इफैक्ट्स भी हो सकते हैं। हाल ही में अमेरिका में हुए एक अध्यन में इस बात की पुष्टि हुई है। अध्यन में बताया गया है कि तेजी से मोटापा घटाने में इस्तेमाल होने वाली वेगोवी और ओजेम्पिक जैसी दवाओं के लगातार सेवन के गंभीर दुष्परिणाम हो सकते हैं। इसमें पेट के लकवे जैसे रोग शामिल हैं।

दरअसल, पेट के लकवा मारने पर वजन से तेजी से कमी आने लगती है। इसके साथ ही कुपोषण और अन्य जटिल रोगों का खतरा भी बढ़ जाता है। कई बार तो इसके इलाज के लिए सर्जरी तक का सहारा लेना पड़ सकता है। हालांकि अध्यन में यह भी साफ किया गया है कि इन साइड इफैक्ट्स के होने की संभावना बहुत कम है।

गुरुग्राम-नजफगढ़ रोड बनेगा 6 लेन, सड़क चौड़ीकरण के लिए जल्द होगा जमीन का अधिग्रहण

नईदिल्ली, एजेंसी।

गुरुग्राम-नजफगढ़ रोड जल्द ही छह लेन का बनने जा रहा है। दिल्ली हिस्से में नजफगढ़ रोड को छह लेन का बनाने के लिए जमीन अधिग्रहण पर करीब 53 करोड़ रुपये का खर्चा आएगा। इसको लेकर करीब 25 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया जाएगा। दिल्ली के मुख्य सचिव नरेश कुमार ने जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया को शुरू करने के आदेश दक्षिण-पश्चिम के जिलाधीश को जारी किए हैं।

गुरुग्राम-नजफगढ़ रोड को ऊपरी द्वारका एक्सप्रेसवे बोला जाता है। ये रोड सेक्टर 99ए से शुरू होता है, जो सेक्टर 108-109 की मुख्य सड़क तक जाती है। इसके बाद 1357 मीटर रोड गांव राघोपुर (दिल्ली) हिस्से में है। रोड के इस हिस्से के खत्म होने के पश्चात सेक्टर 114-115 को विभाजित कर रही मुख्य रोड शुरू हो जाती है। इस रोड और दिल्ली बॉर्डर के बीच 381 मीटर लंबी रोड दिल्ली हिस्से में है। गुरुग्राम हिस्से

में सड़क की चौड़ाई 75 मीटर में है, जबकि दिल्ली हिस्से में करीब 20 मीटर है। ऐसे में सुबह और शाम के समय दिल्ली हिस्से में यातायात जाम की समस्या बन जाती है।

गत 15 मई को दिल्ली सरकार के शहरी विभाग के विशेष सचिव केएस मीणा की तरफ से जारी दिशा-निर्देश के मुताबिक इस रोड की चौड़ाई बढ़ाने की योजना को लेकर दिल्ली के मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक बैठक हुई थी। इसमें दिल्ली सरकार के सभी विभागों के अलावा गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण, नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारी मौजूद थे। इस बैठक में डीडीए के निदेशक ने कहा था कि द्वारका एक्सप्रेस वे के शुरू होने से इस रोड पर यातायात कम रहेगा। निजी जमीन के साथ-साथ दिल्ली हिस्से में सड़क निकल रही है। ऐसे में जमीन अधिग्रहण की जरूरत होगी। शहरी विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव ने निदेशक की इस बात पर कहा था कि यातायात दिन-प्रतिदिन बढ़ रहा है, ऐसे में इस सड़क की चौड़ाई को बढ़ाना जरूरी हो गया है। इसको लेकर इस सड़क की चौड़ाई बढ़ाने की योजना पर काम शुरू कर दिया है।

बैठक में शामिल एक अधिकारी ने बताया कि इस सड़क की चौड़ाई बढ़ाने के लिए खर्च होने वाली राशि में हरियाणा सरकार की हिस्सेदारी रहेगी। अभी यह तय नहीं हो सका है कि हरियाणा सरकार को कितनी प्रतिशत राशि देनी होगी।

पाकिस्तान ने चीनी इंजीनियरों की हत्या में शामिल 11 आतंकियों को किया गिरफ्तार, पांच विदेशी समेत छह लोगों की हुई थी मौत

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान में पांच चीनी इंजीनियरों की हत्या में शामिल तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के 11 आतंकियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। आतंकियों ने मार्च में आत्मघाती बम विस्फोट में पांच चीनी इंजीनियर समेत छह लोगों को उड़ा दिया था। पाकिस्तान के आतंकवाद विरोधी प्रमुख राय ताहिर व गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोग स्थानीय तालिबान से संबंधित हैं, जिन्हें टीटीपी के नाम से भी जाना जाता है। टीटीपी का लक्ष्य वर्तमान पाकिस्तान सरकार को अस्थिर करना है। इसके लिए वह आतंकी हमला करते है।

पकड़े गए आतंकियों के पास से मोबाइल बरामद हुआ है, जिससे पता चला है कि हमले का संदेश आतंकियों को टीटीपी लीडर से मिला था। हमले की साजिश अफगानिस्तान में रची गई थी। गृह मंत्री ने कहा है कि हमले में शामिल अन्य तीन मुख्य आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए कानूनी सहायता ली जाएगी।

विस्फोटकों से भरे वाहन के बस से टकराने से छह लोग मारे गए: दरअसल, मार्च में अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में विस्फोटकों से भरे वाहन के बस से टकराने से छह लोग मारे गए थे, जिसमें पांच नागरिक चीन के थे। सभी 2021 से चीन समर्थित जलविद्युत परियोजना पर बतौर इंजीनियर काम कर रहे थे।

शहबाज सरकार की सेना-आईएसआई के दखल को रोकने की तैयारी!

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के बारे में कहा जाता है कि वहां सेना और सत्ता एक सिक्के के दो पहलू हैं। यही वजह है कि सेना में सत्ता और सत्ता में सेना की झलक दिख ही जाती है। हालांकि, अब शहबाज सरकार सेना और आईएसआई के दखल को रोकने की तैयारी में लग गई है। यहां के प्रधानमंत्री के राजनीतिक और सार्वजनिक मामलों के सलाहकार राणा सनाउल्ला ने एक तंत्र बनाने का आह्वान किया है ताकि संस्थान एक दूसरे के अधिकार क्षेत्र में दखलंदाजी नहीं कर पाएं। दरअसल, उनका यह बयान न्यायाधीशों द्वारा पत्र लिखे जाने के बाद आया है, जिसमें न्यायिक कार्यों में खुफिया एजेंसियों द्वारा कथित हस्तक्षेप की बात कही गई थी। सनाउल्ला ने एक मीडिया चैनल के शो में कहा, न्यायाधीशों द्वारा एक पत्र लिखना एक तंत्र के विकास के लिए पर्याप्त है ताकि संस्थाएं एक-दूसरे के क्षेत्र में हस्तक्षेप न करें। रिपोर्ट के अनुसार, राणा ने यह टिप्पणी इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के उस पत्र के संदर्भ में की जो मार्च में सामने आया था, जिसमें न्यायिक मामलों में खुफिया एजेंसियों के हस्तक्षेप का आरोप लगाया गया था। इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएचसी) के न्यायाधीश न्यायमूर्ति मोहसिन अख्तर कियानी, न्यायमूर्ति तारिक महमूद जहांगीरी, न्यायमूर्ति बाबर सत्तार, न्यायमूर्ति सरदार इजाज इशाक खान, न्यायमूर्ति अरबाब मुहम्मद ताहिर और न्यायमूर्ति समन फफत इम्तियाज ने 26 मार्च को सर्वोच्च न्यायिक परिषद को पत्र भेजा था। जिसमें न्यायिक मामलों में खुफिया एजेंसियों के कथित हस्तक्षेप पर एक न्यायिक सम्मेलन बुलाने का आग्रह किया था। पत्र का जवाब देते हुए पाकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश काजी फैज ईसा ने 28 मार्च को सुप्रीम कोर्ट में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के साथ एक बैठक के दौरान कहा था कि मामलों में कार्यपालिका द्वारा हस्तक्षेप और न्यायाधीशों के न्यायिक कामकाज को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बैठक में मुख्य न्यायाधीश और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ एक जांच आयोग बनाने पर सहमत हुए थे।

अमेरिका के कई राज्यों में आया भयंकर तूफान, दो बच्चों समेत 18 की मौत

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के टेक्सास, ओक्लाहोमा और अरकंसास राज्यों में शक्तिशाली तूफान ने तबाही मचाकर रख दी। यहां दो बच्चों समेत कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई। वहीं, तूफान की वजह से हजारों घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में बिजली गुल हो गई। इसके अलावा, तूफान से कई घर भी तबाह हो गए। पूरे क्षेत्र में रात भर खराब मौसम रहने के बाद आपातकालीन टीम गंभीर रूप से प्रभावित क्षेत्रों में लोगों की मदद के लिए रवाना हुई।

अधिकारियों ने कहा कि कई लोग घायल हुए हैं। टेक्सास में कुक काउंटी के शेरिफ रे सैपिंगटन ने कहा कि भूकंप से हुई तबाही बहुत गंभीर है। मारे गए सात लोगों में दो और पांच साल के दो बच्चे और एक ही परिवार के तीन

सदस्य शामिल हैं। तूफान से ट्रकों का एक ठहरावस्थल भी क्षतिग्रस्त हो गया जहां दर्जनों लोग शरण लेने के लिए पहुंचे थे।

मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका: अधिकारियों ने बताया कि ओकलाहोमा सीमा के पास टेक्सास के कुक काउंटी में शनिवार रात आए तूफान ने एक ग्रामीण इलाके में मोबाइल होम पार्क के पास तबाही मचाई। यहां सिर्फ मलबा बचा है। शेरिफ ने आगे कहा कि मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है क्योंकि रविवार सुबह लापता हुए कुछ लोगों की तलाश एवं बचाव अभियान जारी है।

घरों के साथ-साथ अन्य इमारतें भी नष्ट: रिपोर्ट के अनुसार, टेक्सास के गवर्नर ग्रेग एबॉट ने रविवार को कहा कि शनिवार को आए तूफान में करीब 100 लोग घायल हुए हैं। उन्होंने कहा कि 200 से अधिक घरों के साथ-साथ अन्य इमारतें भी नष्ट हो गईं। इसके अलावा 100 से अधिक अन्य क्षतिग्रस्त हो गए। वैली व्यू में भी तूफान का कहर देखने को मिला। घरों और व्यवसायों का मलबा देखने को मिला। इतना ही नहीं भयंकर तूफान ने पेड़ों और बिजली लाइनों को भी तबाह कर दिया। बता दें, वैली व्यू कार द्वारा डलास से लगभग एक घंटे उत्तर में है। अधिकारियों ने बताया कि डेंटन काउंटी में कई लोगों को एंबुलेंस और हेलीकॉप्टर से अस्पताल पहुंचाया गया है। टेक्सास से लेकर कंसास, मिसौरी, अरकंसास, टेनेसी और केंटुकी तक 4,70,000 से अधिक लोग बिना बिजली के रह रहे हैं। तूफान ने ओकलाहोमा में दो लोगों की जान ले ली और घरों को क्षतिग्रस्त कर दिया।

उत्तर कोरिया एक बार फिर करेगा जासूसी सैन्य उपग्रह लॉन्च करने की कोशिश, जापान को किया अलर्ट

सियोल, एजेंसी। उत्तर कोरिया का तानाशाह किम जोंग उन अगले हफ्ते एक उपग्रह लॉन्च करने वाला है। जापान के तटरक्षक ने सोमवार को कहा कि उत्तर कोरिया ने तीन जून को किसी भी समय उपग्रह लॉन्च करने की अपनी योजना के बारे में टोक्यो को जानकारी दी है। बता दें, अंदाजा लगाया जा रहा है कि यह सैन्य जासूसी उपग्रह हो सकता है। कक्षा में दूसरे जासूसी सैटेलाइट को भेजने का उसका यह प्रयास है।

तोंगचांगरी प्रक्षेपण केंद्र से करेगा लॉन्च

दक्षिण कोरिया की सेना ने शुक्रवार को कहा कि उसे ऐसे संकेत मिले हैं कि उत्तर कोरिया ऐसी गतिविधियों में शामिल हो रहा है जिसके बारे में माना जा रहा है कि वह उत्तर पश्चिम में अपने मुख्य तोंगचांगरी प्रक्षेपण केंद्र से जासूसी उपग्रह लॉन्च करने की तैयारी कर रहा है।

पिछले साल भी किया था लॉन्च

उत्तर कोरिया ने अमेरिका के नेतृत्व वाले सैन्य खतरों से निपटने के लिए अंतरिक्ष-आधारित निगरानी नेटवर्क बनाने के अपने प्रयासों के तहत पिछले नवंबर में अपना पहला सैन्य टोही उपग्रह कक्षा में भेजा था।

संयुक्त राष्ट्र ने लगाया प्रतिबंध

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रकः- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंध्दी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय
कार्यालय पताः-एच. 21 अंकित अपार्टमेंट ब्रजेश्वरी एनएक्स, इंदौर मध्यप्रदेश मोः- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा।
दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार, आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।